CMYK

प्रयागराज जंक्शन होकर जबलपुर से दिल्ली चलेगी तक 12 फेरे चलेंगी स्पेशल ट्रेन, 29 सितम्बर से 3 नवम्बर तक रहेगा संचालन

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 4.03 अरब डॉलर बढ़कर 698.26 अरब डॉलर हुआ, गोल्ड रिजर्व भी बढ़ा

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 261 | रायपुर | मंगलवार 16 सितंबर 2025 | विक्रम संवत 2082 | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

झारखंड में सुरक्षाबलों ने 3 माओवादियों को ढेर किया, एक पर था 1 करोड़ का इनाम

रांची/हजारीबाग एजेंसी। झारखंड में नक्सल विरोधी अभियान के तहत सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। हजारीबाग के गिरहोर थाना क्षेत्र स्थित पनतीतरी जंगल में सोमवार सुबह हुई मुठभेड़ में एक करोड़ का इनामी माओवादी सहदेव सोरेन समेत तीन नक्सली ढेर हो गए। यह इलाका बोकारो और गिरिडीह जिले की सीमा से सटा हुआ है। जानकारी के अनुसार कोबरा बटालियन, गिरिडीह और हजारीबाग पुलिस की संयुक्त टीम को सूचना मिली थी कि सहदेव सोरेन किसी बड़ी नक्सली घटना की साजिश रच रहा है। इसी आधार पर जंगल में ऑपरेशन चलाया गया। माओवादियों ने सुरक्षा बलों पर फायरिंग शुरू कर दी।

पूर्णिया में मोदी का हुंकार: RJD-कांग्रेस ने बिहार को धोखा दिया

घुसपैठियों को बाहर करना एनडीए की जिम्मेदारी

नईदिल्ली,एजेंसी

पूर्णिया रैली में प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस और राजद पर वोटबैंक के लिए घुसपैठियों का बचाव करने का आरोप लगाया, जिससे बिहार की डेमोग्राफी को खतरा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी घुसपैठिया भारत में नहीं रहेगा और एनडीए सरकार घुसपैठियों को बाहर निकालने के लिए प्रतिबद्ध है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि बिहार के विकास की ये गति, बिहार की ये प्रगति कुछ लोगों को रास नहीं आ रही है। जिन लोगों ने दशकों तक बिहार का शोषण किया, इस मिट्टी को धोखा दिया, आज वो ये मानने को तैयार ही नहीं कि बिहार भी नए कीर्तिमान बना सकता है। आज Made In Bihar रेल इंजन एक्सपोर्ट होकर अफ्रीका तक जा रहा है। लेकिन ये सब कांग्रेस और RJD वालों को पच नहीं रहा है। बिहार जब भी आगे बढ़ता है, ये लोग बिहार का अपमान करने में जुट जाते हैं। उन्होंने कहा कि अभी आपने देखा होगा कि RJD की सहयोगी कांग्रेस पार्टी सोशल मीडिया पर बिहार की तुलना बीड़ी से कर रही है। इन लोगों को बिहार से इतनी नफरत है। इन लोगों ने घोटाले और भ्रष्टाचार करके बिहार की साख को बहुत नुकसान पहुंचाया।

राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने संभाला महाराष्ट्र का अतिरिक्त कार्यभार

मुंबई:एजेंसी। आचार्य देवव्रत ने सोमवार को संस्कृत में महाराष्ट्र के कार्यवाहक राज्यपाल के रूप में शपथ ली. बॉम्बे हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे ने उन्हें शपथ दिलाई. इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, अजित पवार और मुख्य सचिव राजेश कुमार उपस्थित थे. देश का अगला उपराष्ट्रपति चुने जाने के कारण सीपी राधाकृष्णन ने महाराष्ट्र के राज्यपाल पद के पद से इस्तीफा दे दिया, जिसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पिछले सप्ताह गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा था।

स्कूल की आड़ में ड्रग्स बनाने के रैकेट का खुलासा

हैदराबाद एजेंसी। तेलंगाना की राजधानी में ब्रेकिंग बैड के प्लॉट जैसी सनसनीखेज घटना सामने आई है। शहर के बोवेनपल्ली इलाके में स्थित मेडहा स्कूल में पढ़ाई नहीं, बल्कि ड्रग्स का धंधा चल रहा था। रूम नंबर-6 समेत तीन कमरों को पूरी तरह छात्रों और स्टाफ से प्रतिबंधित कर दिया गया था, क्योंकि वहीं पर अल्प्राजोलम जैसी खतरनाक दवा का निर्माण हो रहा था। यह स्कूल सातवीं तक की कक्षाओं में लगभग 130 छात्रों को पढ़ा रहा था। यहां मौजूद केमिस्ट्री लैब का इस्तेमाल बच्चों के प्रयोगों के लिए नहीं बल्कि ड्रग्स बनाने के लिए किया जा रहा था। लैब में 8 रिएक्टर, 8 ड्रायर और अन्य उपकरण लगे थे।

पीएम मोदी ने कोलकाता में 16वें संयुक्त कमांडर सम्मेलन का उद्घाटन किया

एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेना के तीनों अंगों से एकजुटता, आत्मनिर्भरता और नवाचार पर जोर देने का आह्वान किया है. कोलकाता में सेना के तीनों अंगों के संयुक्त कमांडर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कहा कि भविष्य की चुनौतियों एवं किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटने के लिए एकजुटता, आत्मनिर्भरता और नवाचार हेतु ठोस कदम उठाएं. यह सम्मेलन देश के शीर्ष सैन्य एवं नागरिक सत्ता को सैन्य तैयारियों के लिहाज से एक मंच पर लाता है. प्रधानमंत्री का बयान ऐसे समय आया है जब सेना और वायुसेना के बीच थिएटरीकरण की प्रक्रिया पर मतभेदों की बात सामने आ रही थी.

हर दो साल में एक बार होने वाले इस बार सम्मेलन का विषय 'सुधारों का वर्ष - भविष्य के लिए परिवर्तन' है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए सैन्य बलों की सराहना की. साथ ही समुद्री डकैती रोकने, संघर्ष क्षेत्रों से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने और मित्र देशों में मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एचएडीआर) जैसे कार्यों के लिए भी सशस्त्र बलों की भूमिका को सराहा. अगले दो दिनों में इस सम्मेलन में सभी सैन्य बलों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर प्रशासनिक एवं सैन्य अभियानों से जुड़े मामलों की समीक्षा की जाएगी. साथ ही प्रधानमंत्री मोदी के नजरिए को अमलीजामा पहनाने के लिए रोडमैप भी बनाया जाएगा. सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी को ऑपरेशन सिंदूर के बाद पैदा नए हालात और सेनाओं की अभियानगत तैयारियों पर भी जानकारी दी गई. प्रधानमंत्री ने पिछले दो वर्षों में लागू किए गए सुधारों और अगले दो वर्षों की योजना की भी समीक्षा की.

ऑपरेशन सिन्दूर के बाद यह पहला मौका है जब सेना के तीनों अंगो के प्रमुख समेत रक्षा मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, रक्षा राज्य मंत्री, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और रक्षा सचिव संयुक्त कमांडर कांफ्रेंस में शामिल हुए. 16वां संयुक्त कमांडर कांफ्रेस कोलकाता स्थित फोर्ट विलियम में हो रहा है. यह सम्मेलन 15 से 17 सितंबर तक पूर्वी कमान मुख्यालय में चलेगा. फिलहाल सेना अपने आधुनिकीकरण के दौर से गुजर रही है. रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर है. ऑपरेशन सिन्दूर में स्वदेशी हथियारों का दमखम पूरी दुनिया ने देखा. रक्षा मंत्रालय इस साल को 'ईयर ऑफरिफॉर्म' के तौर पर मना रहा है।

सुप्रीम कोर्ट का पूरे वक्फ कानून पर रोक से इनकार, 5 साल तक इस्लाम का पालन करने वाले प्रावधान को किया खारिज

नई दिल्ली एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने कानून के कुछ विवादित प्रावधानों पर फिलहाल रोक लगा दी है, हालांकि पूरे अधिनियम को खारिज करने से इनकार कर दिया। अदालत ने उस प्रावधान पर रोक लगाई है, जिसमें वक्फ बोर्ड का सदस्य बनने के लिए कम से कम 5 साल तक इस्लाम का पालन करना अनिवार्य था। कोर्ट ने कहा कि जब तक सरकार इस संबंध में स्पष्ट नियम नहीं बनाती, तब तक यह शर्त लागू नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने धारा 3(74) से जुड़े राजस्व रिकॉर्ड प्रावधान पर भी रोक लगाते हुए कहा कि किसी कलेक्टर या कार्यपालिका को संपत्ति के अधिकार तय करने का अधिकार देना शक्तियों के पृथक्करण के खिलाफ है।

शराब घोटाला: चैतन्य बघेल की पेशी, ईडी ने दाखिल की 7 हजार पन्नों की चार्जशीट

ईओडब्ल्यू की कस्टोडियल रिमांड पर फैसला सुरक्षित, कल होगी सुनवाई

रायपुर ,संवाददाता

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में आरोपी बनाए गए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की आज राजधानी रायपुर में कोर्ट में पेशी हुई। ज्यूडिशियल रिमांड खत्म होने के बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान ED ने चैतन्य के खिलाफ 7 हजार से अधिक पन्नों की चार्जशीट पेश की। वहीं, शराब घोटाले में EOW-ACB के तहत चल रही जांच में चैतन्य बघेल को कुछ राहत मिली है। कोर्ट ने EOW-ACB की प्रोडक्शन वारंट पर सात दिन की कस्टोडियल रिमांड देने का अनुरोध अस्वीकार कर दिया और फैसला सुरक्षित रखा है। अब कल यानी मंगलवार 16 सितंबर को कोर्ट में फिर से सुनवाई होगी। चैतन्य बघेल के वकील फैजल रिज़वी ने बताया कि EOW-ACB ने चैतन्य की पूछताछ के लिए आवेदन किया था। इसी आधार पर उन्हें 12 और 13 सितंबर को पूछताछ की अनुमति दी गई थी। हमें पहले से इसका अंदेशा था कि EOW उन्हें गिरफ्तार कर सकती है, जिसके चलते चैतन्य ने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि इस मामले में लोअर कोर्ट में अग्रिम जमानत पर सुनवाई नहीं हो पाने तक प्रोडक्शन वारंट को स्थगित रखा जाए। इसके आधार पर वकील फैजल रिज़वी ने EOW की रिमांड का विरोध किया था।

विश्व | पनडुब्बी रोधी विमान थे अभ्यास में शामिल

रूस के हाइपरसोनिक मिसाइल टेस्ट से कांपी दुनिया, समुद्र में 350 किमी दूर टारगेट

एजेंसी।

रूस । रक्षा अभ्यासों के दौरान रूस ने अपनी हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल ज़िरकोन (3M22 Tsirkon) का एक और सफल परीक्षण किया। इसके साथ ही रूस ने एक बार फिर अपनी सैन्य ताकत का दुनिया को अहसास कराया।

हाइपरसोनिक जिरकोन मिसाइल की गति ध्वनि से 9 गुना अधिक है, जिसे रोकना लगभग असंभव माना जा रहा है। कहा जा रहा है कि यह मिसाइल किसी भी देश का नक्शा बदलने की क्षमता रखती है। रूस ने रविवार को बताया कि उसने बेरेंट्स सागर में एक लक्ष्य पर जिरकोन (त्सिरकोन) हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल दागी, और सुखोई एसयू-34 सुपरसोनिक लड़ाकू-बमवर्षकों ने बेलारूस के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास के हिस्से के रूप में हमले किए। रूसी रक्षा मंत्रालय ने उत्तरी बेड़े के एडमिरल गोलोव्को फ्रिगेट द्वारा बेरेंट्स सागर में एक लक्ष्य पर जिरकोन हाइपरसोनिक मिसाइल दागे जाने का फुटेज जारी किया। फुटेज में दिखाया गया कि फ्रिगेट से मिसाइल को लंबवत प्रक्षेपित किया गया और फिर यह एक कोण पर क्षितिज की ओर बढ़ी। मंत्रालय ने बताया कि वास्तविक समय में प्राप्त निगरानी डेटा के अनुसार, लक्ष्य को सीधे प्रहार से नष्ट कर दिया गया। मंत्रालय ने यह भी बताया कि उत्तरी बेड़े के मिश्रित विमानन कोर के लंबी दूरी के पनडुब्बी रोधी विमान इस अभ्यास में शामिल थे। साथ ही Su-34 के चालक दल ने जमीनी ठिकानों पर बमबारी का अभ्यास किया।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, रूस और बेलारूस के बीच 'जापाड-2025' या पश्चिम संयुक्त रणनीतिक अभ्यास 12 सितंबर को शुरू हुआ, जिसका उद्देश्य रूस या बेलारूस पर हमले की स्थिति में सैन्य कमान और समन्वय को बेहतर करना है। मॉस्को और मिन्स्क ने स्पष्ट किया कि ये अभ्यास पूरी तरह से रक्षात्मक हैं और इनका किसी भी नाटो सदस्य पर हमला करने का कोई इरादा नहीं है। हालांकि, अमेरिका के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने 9-10 सितंबर को पोलैंड में रूसी ड्रोनों की घुसपैठ के बाद 'ईस्टर्न सेंट्री' ऑपरेशन की घोषणा की थी।

नेपाल में प्रधानमंत्री कार्की के मंत्रिमंडल का विस्तार, मंत्रियों ने ली शपथ

एजेंसी

नेपाल के नवनियुक्त गृहमंत्री ओम प्रकाश अर्याल ने सोमवार को कहा कि अंतरिम सरकार का लक्ष्य स्वतंत्र और निष्पक्ष आम चुनाव कराना है। अर्याल एक जाने-माने वकील हैं, जिन्होंने हाल ही में हुए जेन-जेड आंदोलन से जुड़े समझौतों में अहम भूमिका निभाई थी। आज उन्होंने गृह मंत्रालय और कानून, न्याय एवं संसदीय कार्य मंत्रालय के मंत्री के रूप में शपथ ली। शपथ ग्रहण के तुरंत बाद उन्होंने अपना कार्यभार संभाला।

ओम प्रकाश अर्याल ने संभाला नेपाल के अंतरिम गृहमंत्री का कार्यभार

नेपाल में प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने सोमवार को मंत्रिमंडल का विस्तार किया। मंत्री के रूप में रामेश्वर खनाल, ओमप्रकाश अर्याल और कुलमान घीसिंग को शपथ दिलाई गई। खनाल वित्त मंत्री, अर्याल गृह मंत्री और कुलमान घीसिंग ऊर्जा मंत्री बने। अर्याल के पास कानून मंत्रालय की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी रहेगी। घीसिंग के पास भी ऊर्जा के अलावा भौतिक पूर्वाधार, यातायात व शहरी विकास मंत्रालय की जिम्मेदारी है। खनाल आर्थिक सुधार सुझाव आयोग के अध्यक्ष रह चुके हैं। वह पूर्व सचिव भी रह चुके हैं। अर्याल पेशे से वकील हैं। घीसिंग नेपाल विद्युत प्राधिकरण के पूर्व कार्यकारी निदेशक हैं। ओली सरकार में उन्हें बर्खास्त कर दिया गया था। उनका नाम पीएम पद को लेकर भी चर्चा में था।

'बुनियादी ढांचे का पुरर्निर्माण और सुशासन प्राथमिकता' कार्यभार संभालने के बाद अर्याल ने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह अंतरिम सरकार विशेष रूप से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के मकसद से बनाई गई है। अर्याल के मुताबिक, हालिया हिंसक प्रदर्शनों में क्षतिग्रस्त हुए बुनियादी ढांचे का पुनर्निर्माण और सुशासन सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकताएं रहेंगी। उन्होंने कहा, जो लोग विरोध के कारण अलग हो गए थे, वे अगर फिर राजनीति में आना चाहते हैं, तो उन्हें जनता बीच जाना चाहिए और जनमत लेकर ही वापसी करनी चाहिए।

जेन-जेड आंदोलन के कारण ओली सरकार का पतन उन्होंने यह भी वादा किया कि प्रदर्शनों के दौरान कथित तौर अत्यधिक बल प्रयोग की जांच करवाई जाएगी। इन प्रदर्शनों में 72 लोगों की मौत हुई थी। रविवार को सुशीला कार्की नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं। कार्की देश की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश रह चुकी हैं। उन्हें तब यह जिम्मेदारी सौंपी गई है, जब पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध जैसे मुद्दों पर युवाओं के नेतृत्व में आंदोलन का सामना करना पड़ा और सत्ता से हटने को मजबूर होना पड़ा।

जमीनी हमले की दहशत में रातों-रात 20,000 फिलिस्तीनियों का पलायन, 28 की मौत

दोहा , एजेंसी । एक ओर जहां कतर की राजधानी दोहा में 50 मुस्लिम देशों के नेता इजरायल के खिलाफ रणनीति बनाने के लिए बैठक कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर गाजा पट्टी में इजरायली हमलों से कोहराम मचा हुआ है। इजरायल की जमीनी हमले की चेतावनी के बीच बीती रात करीब 20,000 खौफजदा फिलिस्तीनियों ने अपने बिस्तर और जरूरी सामान बांधकर गाजा से महा-पलायन कर लिया है। आज सुबह से जारी हमलों में अब तक 28 लोगों के मारे जाने की खबर है।

इजरायल ने गाजा बॉर्डर पर अपने सैनिकों की संख्या बढ़ा दी है और किसी भी वक्त जमीनी हमले का अंदेशा जताया है। हमलों के खौफ का आलम यह है कि लोग पैदल, गाड़ियों और जिस भी साधन से संभव हो, बस सुरक्षित निकल जाने की होड़ में हैं। संकट इसलिए भी गहरा गया है क्योंकि निकट भविष्य में हमास और इजरायल के बीच किसी भी तरह के संघर्ष विराम की कोई उम्मीद नहीं दिख रही है।

दोहा में चल रही बैठक में मुस्लिम देश इजरायल के खिलाफ एक प्रस्ताव लाने पर मंथन कर रहे हैं और दुनिया को अपनी एकता का संदेश देने की कोशिश में हैं। लेकिन इसका इजरायल पर कोई असर होता नहीं दिख रहा। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने साफ कहा है कि वह गाजा में सक्रिय एक-एक आतंकवादी को खत्म कर देंगे। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो की इजरायल में मौजूदगी और नेतन्याहू से उनकी तीन घंटे लंबी मुलाकात ने मुस्लिम देशों की चिंता और बढ़ा दी है।

CMYK

मुख्यमंत्री का नरहरपुर आगमन पर किया गया आत्मीय स्वागत

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय तथा झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अर्जुन मुंडा का आज कांकेर जिले के नरहरपुर पहुंचने पर हेलीपैड में जनप्रतिनिधियों, आदिवासी समाज के पदाधिकारियो और प्रशासनिक अधिकारियों ने आत्मीय स्वागत किया।इस अवसर पर वन मंत्री श्री केदार कश्यप, सांसद कांकेर श्री भोजराज नाग, विधायक कांकेर श्री आशाराम नेताम, पुलिस उप महानिरीक्षक श्री अमित तुकाराम कांबले, कलेक्टर श्री निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने पुष्पगुच्छ भेंटकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। आदिवासी समाज के पदाधिकारियों ने पारंपरिक रीति रिवाज के अनुसार मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को पारंपरिक पगड़ी पहनाकर आत्मीय स्वागत किया।

मुठभेड़ में 8-8 लाख रूपये के ईनामी दो नक्सली ढेर

जगदलपुर। बस्तर संभाग के बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में 8-8 लाख रुपए के ईनामी दो नक्सलियों को मार गिराया है। मुठभेड़ स्थल से असलहे भी बरामद किए गए हैं। बीजापुर के पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेंद्र कुमार यादव ने बताया कि जिले के दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र में नक्सली कैडर की गतिविधियों की विश्वसनीय सूचना के आधार पर डीआरजी बीजापुर की टीम द्वारा सर्च ऑपरेशन चलाया गया। अभियान के दौरान दिनांक 12 सितंबर की सुबह पुलिस बल और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ होती रही। मुठभेड़ के पश्चात मुठभेड़ स्थल की तलाशी में एक नग 303 रायफल, 12 बोर बंदूक, विस्फोटक सामग्री एवं प्रतिबंधित नक्सल संगठन की अन्य सामान भी बरामद की गई।हिड़मा पोड़ियाम उम्र 34 वर्ष निवासी बेडसेट इंद्रावती क्षेत्र, पद पीपीसीएम कंपनी नम्बर-

2, प्लाटून- का सदस्य और मुन्ना मड़कम उम्र 25 वर्ष निवासी कटेकल्याण जिला दंतेवाड़ा, पद कंपनी नम्बर-2, प्लाटून-1 सदस्य के रूप में हुई है। इन दोनों पर 8-8 लाख रुपए का ईनाम घोषित था। मुठभेड़ स्थल से एक .303 रायफल, एक मैग्जीन, 4 जिंदा राऊंड, एक नग 12 बोर बंदूक, 04 जिंदा राऊंड, बैटरी, कार्डेक्स वायर, स्केनर सेट, माओवादी साहित्य एवं माओवादी सामग्री बरामद हुई है।

जशपुर में कृषि क्रांति लाने मुख्यमंत्री ने किसान कॉल सेंटर का किया शुभारम्भ

रायपुर। जिले के किसानों के हित में चलाई जाने वाले कृषि क्रांति अभियान अंतर्गत आज किसान कॉल सेंटर एग्रीबिड और बाजार व्यवस्था को सरल बनाने के उद्देश्य से क्यू आर कोड आधारित जी कॉम इंडिया का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा अपने बगिया स्थित निज निवास कार्यालय से किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री अर्जुन मुंडा, सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष श्रीमती गोमती साय, विधायक जशपुर श्रीमती रायमुनी भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जिले में कृषि के साथ उद्यानिकी फसलों के लिए भी उपयुक्त वातावरण उपलब्ध है। वर्तमान में जिले में आम, लीची, नाशपाती के साथ चाय, टाऊ, कटहल जैसी फसलों का भी बहुतायत में उत्पादन हो रहा है। ऐसे में किसानों के पास बाजारों के विकल्प के ना होने से उन्हें औने पौने दामों में अपनी फसलों को बिचौलियों को बेचना पड़ता था, अब क्यू आर कोड के माध्यम से सीधे उपार्जकों तक पहुंच एवं बेचने की व्यवस्था होने से जिले के किसान देश के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति को अपनी फसल को बेच सकेंगे, जिससे किसानों को अनावश्यक बिचौलियों, कोचियों जैसे लोगों से छुटकारा मिलेगा और उन्हें अपनी फसल का उचित मूल्य प्राप्त होगा। कॉल सेंटर से किसानों को विशेषज्ञों द्वारा किसी भी समस्या पर सहायता प्राप्त होगी। इन दोनों पहलों से कृषि के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन आएगा और किसानों को उचित मूल्य मिलने से किसानों की आय में वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि एनडीडीबी के साथ मिलकर दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए राज्य के 06 जिलों में पायलेट प्रोजेक्ट के तहत उत्तम किस्म के दुधारू पशुओं के वितरण के साथ ग्रामीणों को पशुपालन का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष श्रीमती गोमती साय ने कहा कि किसानों के लिए प्रारम्भ किया गया कॉल सेंटर जिले में कृषि के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा, किसानों को इसके दूरगामी परिणाम प्राप्त होंगे। विधायक जशपुर श्रीमती रायमुनी भगत ने कहा कि जिले में नाशपाती, लीची के साथ कटहल की फसल भी बहुतायत में होती है। जिसके प्रसंस्करण और विकास के लिए जशपुर में विगत दिनों कटहल मेला भी आयोजित किया गया था। ऐसे में इन नवीन पहलों से किसान उत्पादन के साथ उचित मूल्य पर उत्पादों का निर्यात भी कर सकेंगे।किसानों को शैक्षणिक भ्रमण हेतु मुख्यमंत्री ने दिखाई हरी झंडीकिसानों को नवाचारी कृषि और कृषि के विकास हेतु प्रोत्साहित करने के लिए कृषि क्रांति एवं आत्मा योजनान्तर्गत 35 कृषकों के दल को रायपुर एवं दुर्ग के शैक्षणिक भ्रमण हेतु मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। इसमें कुनकुरी के 15 एवं कांसाबेल के 20 किसान शामिल हैं।

नई उद्योग नीति में बस्तर संभाग पर विशेष तौर पर फोकस

नई उद्योग नीति में बस्तर संभाग पर विशेष तौर पर फोकस

नरहरपुर में आयोजित ठाकुर जोहारनी कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्रीः क्षेत्रवासियों को दी विभिन्न सौगात

रायपुर। नरहरपुर में आयोजित ठाकुर जोहारनी कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्रीः क्षेत्रवासियों को दी विभिन्न सौगातनरहरपुर में आयोजित ठाकुर जोहारनी कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्रीः क्षेत्रवासियों को दी विभिन्न सौगातनरहरपुर में आयोजित ठाकुर जोहारनी कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्रीः क्षेत्रवासियों को दी विभिन्न सौगातमुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज कांकेर जिले के नरहरपुर में आदिवासी समाज द्वारा आयोजित ठाकुर जोहारनी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उनके साथ झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अर्जुन मुंडा भी उपस्थित थे।मुख्यमंत्री श्री साय ने ठाकुर जोहारनी कार्यक्रम में आदिवासी समाज के ईष्ट आराध्य देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नई उद्योग नीति में आदिवासी विकास को प्राथमिकता देते हुए बस्तर सहित सरगुजा को विशेष तौर

पर फोकस किया गया है, ताकि यहां के निवासियों को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़कर उन्हें अधिकतम लाभ दिलाया जा सके। ब्लॉक मुख्यालय नरहरपुर के उन्मुक्त खेल मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय ने आदिवासी समाज के ईष्ट देवी-देवताओं का जयघोष करते हुए उपस्थित लोगों को ठाकुर जोहारनी और नवाखाई की बधाई दी। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की यह अनूठी परंपरा आगे भी जीवित रहनी चाहिए और समाज की एकजुटता हमेशा बनी रहनी चाहिए।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के युवा आगे बढ़ें, सुशिक्षित बनें, इसके लिए पूरे प्रदेश में नई शिक्षा नीति लागू की गई है। उन्होंने बताया कि आईआईटी, आईआईएम, ट्रिपल आईआईटी जैसी राष्ट्रीय स्तर की उच्च शिक्षण संस्थाएं प्रदेश में संचालित हैं, जिससे गुणवत्तापूर्ण और रोजगारपरक शिक्षा उपलब्ध हो सके। इसी तरह प्रयास और एकलव्य जैसे श्रेष्ठ संस्थानों के माध्यम से भी लगातार सुधार के प्रयास हो रहे हैं। दिल्ली में ट्राइबल यूथ हॉस्टल संचालित है और प्रदेशभर में नालंदा परिसर स्थापित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुरक्षा बलों को माओवाद के विरुद्ध अभियान में लगातार बड़ी सफलताएँ मिल रही हैं। उन्होंने 31 मार्च 2026 तक माओवाद के खात्मे का संकल्प दोहराया। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मंशानुरूप, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के सहयोग से पशुपालन, मुर्गीपालन जैसी रोजगारमूलक गतिविधियों से लोगों को जोड़ने का कार्य प्रदेश सरकार कर रही है। उन्होंने कहा कि तेंदूपत्ता संग्राहकों के पारिश्रमिक में वृद्धि, चरणपादुका वितरण, रामलला दर्शन योजना सहित ग्राम पंचायतों में पारदर्शिता और सुगमता लाने के लिए अटल डिजिटल सेवा केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार की पीएम जनमन योजना और धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से आदिवासियों के सतत् और समग्र विकास को अमलीजामा पहनाया जा रहा है।विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अर्जुन मुंडा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमारा उत्सव का कार्यक्रम है। जल, जंगल, जमीन और अपनी परंपराओं, लोकनृत्य, गीत, मांदर और मृदंग के साथ जीने वाले आदिवासियों की अपनी विशिष्ट पहचान है। उन्होंने कहा कि अपनी जड़ों को मजबूत करते हुए स्वास्थ्य, शिक्षा और अधिकारों के प्रति सजग रहना नितांत आवश्यक है।

हिंदी दिवस पर आज राजधानी रायपुर में संगोष्ठी का आयोजन

रायपुर । छत्तीसगढ़ साहित्य एवं संस्कृति संस्थान, के तत्वावधान में राजधानी रायपुर में जिला प्रशासन रायपुर के सहयोग से हिंदी उत्सव का आयोजन हिंदी दिवस के अवसर पर 14 सितम्बर को टाऊन हॉल में सवेरे ग्यारह बजे से किया जाएगा। कार्यक्रम में हिंदी की बदलती दुनिया पर संगोष्ठी होगी, तीन पुस्तकों का विमोचन होगा और हिंदी समाचार वाचकों का सम्मान किया जाएगा। आयोजन के मुख्य वक्ता दिल्ली के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ .गोपाल कमल होंगे होंगे।

खंड शिक्षा अधिकारी भारती देवांगन ने मांदलापाल संकुल के विभिन्न शालाओं का किया निरीक्षण

बस्तर। खंड शिक्षा अधिकारी भारती देवांगन ने मांदलापाल संकुल अंतर्गत आने वाले विभिन्न शालाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ सीएसी देवेंद्र सोनी भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्राथमिक शाला मांदलापाल और नयामुंडापारा का अवलोकन किया और बच्चों से सीधे सवाल-जवाब कर उनकी सीखने की क्षमता और अध्ययन स्तर की जानकारी ली। उन्होंने शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

वनमंत्री केदार कश्यप ने नारायणपुर विधानसभा में 02.64 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

सुशासन में तेज हुई बस्तर में विकास की गति

नारायणपुर विधानसभा अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में विभिन्न कार्यों का वन मंत्री केदार कश्यप ने किया भूमिपूजन

नारायणपुर । वनमंत्री श्री केदार कश्यप ने आज नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्राम पंचायतों में 1 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को समर्पित किया। यह भूमिपूजन कार्यक्रम ग्रामीण अधोसंरचना को सुदृढ़ करने और बुनियादी सुविधाओं को विस्तार देने की दिशा में बड़ा कदम है। इन कार्यों के अंतर्गत ग्राम पंचायत चेराकुर में कोलेबेड़ा हरिराम खेत के पास ?6.10 लाख की लागत से निर्माण, बाजार शेड निर्माण, 05 नग सीसी कार्य एवं गार्बेज डिस्पोजल ?23.51 लाख एवं प्रा.शा. कोटवारपारा में 200 मीटर अहाता निर्माण हेतु ?9.00 लाख से किया जाएगा। इसी क्रम में ग्राम पंचायत गोंदियापाल में बासपानी कुरलूमारीपारा पाथरी मार्ग पर 02 मीटर पुलिया निर्माण ?5.00 लाख की लागत से, ग्राम पंचायत गुमगा में नयापारा मार्ग पर बालकुराम खेत के पास 02 मीटर पुलिया निर्माण कार्य ?5.00 लाख से किया जाए। वहीं ग्राम पंचायत मांदलापाल में पत्थरगुड़ाङ्कबिनचिया रोड पर 03 मीटर पुलिया निर्माण ?7.00 लाख से, मुख्य चौक पर सोलर हाई मास्ट संयंत्र ?5.87 लाख की लागत से और मांदलापाल हाईस्कूल के पास साप्ताहिक बाजार में शेड निर्माण, 05 नग सीसी कार्य एवं गार्बेज डिस्पोजल प्रावधान ?23.51 लाख से किया जाएगा। इसी तरह प्रा.शा. नयामुण्डापारा मांदलापाल में भवन निर्माण ?20.30 से किया जाएगा। इसी क्रम गोलावण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत गोलावण्ड में 04 लाख की लागत से बाजार स्थल में रंगमंच निर्माण, ग्राम पंचायत बेतबेड़ा में प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक शाला बेतबेड़ा में 16 लाख की लागत से अहाता निर्माण, ग्राम पंचायत खचगांव में 10.99 लाख से कोलियारीपारा से 1.5 मीटर स्पॉन कर 2 नग पुलिया निर्माण, ग्राम खडगांव हगरू कश्यप घर के पास 02 मीटर स्पॉन आर.सी.सी. कल्वर्ट निर्माण 06.99 लाख रूपए, ग्राम खचगांव प्रेमसिंह बघेल के खेत के पास 1.5 मीटर स्पॉन आर.सी.सी कल्वर्ट निर्माण के लिए 5.49 लाख रूपए का भूमिपूजन किया गया।इसी क्रम में सोनाबाल में ग्राम पंचायत खण्डाम अंतर्गत 03 लाख की लागत से अतरिकोट पारा में रंगमंच का निर्माण, मयूरडोंगर में 04.50 लाख की लागत से गोविंद घर के पास पुलिया निर्माण, झारा में 4.50 की लागत से गुड्डीराम घर डोंगरीपाराा में पुलिया निर्माण, पोलंग में 06 लाख की लागत से बनसिंह घर के पास पुलिया निर्माण एवं बोरगांव में 06 लाख की लागत से बोरपारा सुबेश्वर घर के पास पुलिया निर्माण किया जाएगा।

वहीं ग्राम पंचायत तोतर अंतर्गत 12.46 लाख से छिनारी नाला में 03 मी. स्पॉन आरसीसी कल्वर्ट, 16 लाख की लागत से प्राथमिक शाला चिखलापारा, ग्राम पंचायत नरिहा अंतर्गत 35.5 लाख से सोनाधर घर से अटारपारा तक 500 मी. सीसी सड़क एवं 02 मी. स्पॉन 03 नग आरसीसी स्लोब कल्वर्ट, ग्राम पंचायत चमई अंतर्गत चमई नाला में 06 मी. 02 स्पॉन स्लेब कलवर्ट एवं हंगलवा में 03 लाख की लागत से रंगमंच निर्माण का भूमिपूजन किया गया।

भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान वनमंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करना है। पुलिया निर्माण, बाजार शेड, स्कूल भवन, सोलर संयंत्र जैसे कार्य स्थानीय जरूरतों को पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार गांव-गांव विकास, जन-जन विश्वास के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। इन योजनाओं के माध्यम से दूरस्थ अंचलों में भी विकास की रोशनी पहुँच रही है।

मुख्यमंत्री साय ने नरहरपुर में किया 75.31 करोड़ रुपए के 11 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज कांकेर जिले के नरहरपुर विकासखंड मुख्यालय में आयोजित गोंडवाना समाज के ÷ठाकुर जोहारनी÷ कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने नरहरपुर क्षेत्र में 75 करोड़ 31 लाख 72 हजार रुपए की लागत वाले 11 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इन निर्माण कार्यों में अमोड़ा-नरहरपुर मार्ग (लंबाई 16 कि.मी.) के चौड़ीकरण कार्य पर 40 करोड़ 22 लाख 71 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसी भैंसमुण्डी से झलियामारी मार्ग (लंबाई 4.67 कि.मी.) पर 4 करोड़ 90 लाख 16 हजार रुपये का कार्य शामिल है। साथ ही नरहरपुर हाई स्कूल बिरनपुर, नावडबरी और रावस में तीनों स्कूल भवन निर्माण कार्यों पर 75.23-75.23 लाख रुपये की लागत से निर्माण कार्यों का भूमिपूजन कार्य शामिल है। इसी तरह नरहरपुर टूरी व्यपवर्तन योजना के तहत नहर का जीर्णोद्धार एवं लाइनिंग कार्य हेतु (8 करोड़ 94 लाख 51 हजार रू.), पैरी नदी पर धनेसरा एनीकट निर्माण (4 करोड़ 82 लाख 54 हजार रू.), सिहारी नाला तालाब एवं नहर कार्य का जीर्णोद्धार व शूटफॉल निर्माण (3 करोड़ 84 लाख 12 हजार रू.), बागोड़ एनीकट दायीं तट पर बाढ़ नियंत्रण कार्य (4 करोड़ 31 लाख 90 हजार रू.) तथा कोचवाही नाला एनीकट निर्माण (4 करोड़ 37 लाख 33 हजार) के लिए राशि स्वीकृत की गई है। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री श्री साय ने 1 करोड़ 62 लाख 76 हजार रुपये के लागत वाले आदिवासी बालक आश्रम चरभट्टी भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने की सामुदायिक पर्यटन की नई पहल

रायपुर। जशपुर के पाँच ग्रामों में होम-स्टे की शुरुआत, स्थानीय संस्कृति और परंपराओं को मिलेगा वैश्विक मंच मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज जशपुर जिले में सामुदायिक पर्यटन की एक नई पहल की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने कैंप कार्यालय से जशपुर के पाँच ग्रामों- देओबोरा, केरे, दनगरी, छिछली और घोघरा में होम-स्टे योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अर्जुन मुंडा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार पर्यटन क्षेत्र को एक उद्योग के रूप में विकसित करने के लिए कृत संकल्पित है। होम-स्टे नीति न केवल पर्यटन को नई पहचान देगी, बल्कि स्थानीय युवाओं और समुदायों के लिए रोजगार और उद्यमशीलता के अवसर भी प्रदान करेगी। उन्होंने बताया कि आदिवासी संस्कृति, परंपराएँ, खान-पान और जीवन शैली को लेकर अन्य

प्रदेशों और देशों के लोगों में गहरी जिज्ञासा रहती है। होम-स्टे के माध्यम से पर्यटकों को सीधे गाँवों में रहकर स्थानीय संस्कृति, पूजन पद्धति और सादगी का अनुभव करने का अवसर मिलेगा, जो उनके लिए अविस्मरणीय साबित होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यह पहल जशपुर को न केवल पर्यटन के नक्शे पर एक नई पहचान दिलाएगी, बल्कि स्थानीय संस्कृति और समुदाय को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षण प्राप्त पर्यटन मित्रों को प्रमाण पत्र वितरित किए। यह प्रशिक्षण सामुदायिक पर्यटन और होम-स्टे विकास पर आधारित था, जिससे संबंधित ग्रामों को इको-टूरिज्म गंतव्य के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी।कार्यक्रम में विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने कहा कि जशपुर का मकरभंजा जलप्रपात छत्तीसगढ़ का सबसे ऊँचें जलप्रपात में से एक है, और इसके साथ जिले के अनेक झरने व दर्शनीय स्थल जशपुर को पर्यटन की दृष्टि से अनोखा बनाते हैं। विधायक श्रीमती गोमती साय ने कहा कि जशपुर प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है और यहाँ आने वाले पर्यटक जीवनभर इस जगह की यादों को संजोए रखते हैं। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय, कलेक्टर श्री रोहित व्यास, पुलिस अधीक्षक श्री शशिमोहन सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार, डिप्टी कलेक्टर श्री समीर बड़ा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे।

न्यूड पार्टी पोस्टर पर छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज का कड़ा विरोध

रायपुर । राजधानी रायपुर में हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुए तथाकथित न्यूड पार्टी के विवादित पोस्टर ने पूरे शहर में आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है। इस पोस्टर में युवक-युवतियों को बिना वस्त्रों के पार्टी में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया, जिसे देखकर समाज के सभी वर्गों ने कड़ी आपत्ति दर्ज की है।

छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज ने इस प्रकरण को धर्म, संस्कृति एवं सामाजिक मूल्यों पर सीधा हमला बताया है। समाज का कहना है कि रायपुर जैसी संस्कारवान और सभ्यता-प्रधान नगरी में इस प्रकार की अश्लीलता किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। यह कृत्य न केवल हमारी धार्मिक-सांस्कृतिक परंपराओं को ठेस पहुँचाता है, बल्कि महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है।छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि इस आयोजन के पीछे शामिल लोगों की तुरंत पहचान कर उन्हें कठोर धाराओं में गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वालों और आयोजन की मंशा रखने वालों पर धर्म-संस्कृति पर प्रहार और अश्लीलता फैलाने के अपराध में सख्त कार्रवाई होना जरूरी है।सिख समाज ने स्पष्ट किया है कि रायपुर की जनता नग्नता और अश्लीलता को किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं करेगी और भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस-प्रशासन को ठोस कदम उठाने चाहिए।इंस्टाग्राम में सर्च करने पर अपरिचित क्लब के नाम से अकाउंट मिला है जिसमें इस तरह की पार्टी के आयोजन से संबंधित अनेक पोस्ट और वीडियो है पोस्ट में दिए गए मोबाइल नंबर पर कॉल करने पर नो रिप्लाई हो रहा है। शासन प्रशासन को गंभीरता से ऐसे इंस्टाग्राम, ङ्ग, फेसबुक जैसे अकाउंट पर नजर रखना चाहिए और तुरंत कार्यवाही करना चाहिए।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)

प्रत्येक मामले के पीछे एक मानवीय कहानी होती है संघर्ष की

मुख्य न्यायाधीश ने आगे यह भी कहा कि बस्तर क्षेत्र अपने विशिष्ट सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक परिदृश्य के साथ न्यायपालिका के लिए चुनौतियाँ

रायपुर। प्रत्येक मामले के पीछे एक मानवीय कहानी होती है संघर्ष की, आशा की, और न्यायपालिका में विश्वास की- मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी द्वारा बस्तर संभाग के न्यायिक अधिकारियों के लिए एक दिवसीय संभागीय न्यायिक सेमिनार का आयोजन प्रेरणा हॉल, कलेक्टरेट भवन, जगदलपुर में किया गया। इस सेमिनार में बस्तर संभाग के चार जिलों जगदलपुर, कांकेर, दंतेवाड़ा, कोंडागांव के 43 न्यायिक अधिकारियों ने भाग लिया।

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा एवं मुख्य संरक्षक, छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी ने वर्चुअल माध्यम से सत्र का उद्घाटन किया। सेमिनार में श्री अमितेंद्र किशोर प्रसाद, न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, पोर्टफोलियो न्यायाधीश, जिला कांकेर की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

मुख्य न्यायाधीश ने बस्तर संभाग के न्यायिक अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में न्यायपालिका से अपेक्षाएँ बहुत अधिक हैं। लोग हमसे अत्यधिक आशा रखते हैं। यह सेमिनार केवल सीखने का मंच ही नहीं, बल्कि न्याय, निष्पक्षता और विधि के शासन के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि भी है।मुख्य न्यायाधीश ने अपने संबोधन में कहा कि न्यायिक शिक्षा एक बार की प्रक्रिया नहीं है; बल्कि यह सतत प्रक्रिया है। आज के दौर में जहाँ कानून तेजी से विकसित हो रहे हैं और समाज नई चुनौतियों का सामना कर रहा है, वहाँ न्याय के संरक्षक होने के नाते हमें निरंतर अपने ज्ञान को समृद्ध करना और अपनी न्यायिक क्षमता को धार देना अनिवार्य है। सतत प्रशिक्षण सुनिश्चित करता है कि हम अपने संवैधानिक दायित्वों को दक्षता, ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ निभा सकें।

मुख्य न्यायाधीश ने आगे यह भी कहा कि बस्तर क्षेत्र अपने विशिष्ट सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक परिदृश्य के साथ न्यायपालिका के लिए चुनौतियाँ और अवसर दोनों प्रस्तुत करता है। हमारा दायित्व है कि न्याय समाज के हर कोने तक पहुँचे, विशेष रूप से वंचित और कमजोर वर्गों तक। यहाँ के न्यायिक अधिकारियों की भूमिका जनता के विश्वास को बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण है कि न्याय न केवल किया जाए, बल्कि होता हुआ भी दिखाई दे।मुख्य न्यायाधीश ने सभी न्यायिक अधिकारियों से आग्रह किया कि वे सहानुभूति, धैर्य और निष्पक्षता के साथ न्यायिक कार्य करें। याद रखें, प्रत्येक मामले के पीछे एक मानवीय कहानी होती है संघर्ष, आशा और न्यायपालिका में विश्वास की। हमें सदैव यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि न्याय समय पर, पारदर्शी और तर्कपूर्ण तरीके से दिया जाए।अंत में मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि इस प्रकार के सेमिनार समकालीन विधिक मुद्दों पर विचार-विमर्श, अनुभवों के आदान-प्रदान और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को अपनाने का मूल्यवान अवसर प्रदान करते हैं। इस सेमिनार में हुई चर्चाएँ न्यायिक अधिकारियों की दक्षता को बढ़ाएँगी और उन्हें न्यायिक कार्य की जटिलताओं को और अधिक कुशलता से संभालने योग्य बनाएँगी।इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के प्रभारी रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्री अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े थे। कांकेर, कोंडागांव, जगदलपुर एवं दंतेवाड़ा के जिलों के न्यायिक अधिकारी उपस्थित थे। स्वागत भाषण प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जगदलपुर द्वारा दिया गया, परिचयात्मक उद्बोधन छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी के निदेशक ने तथा धन्यवाद ज्ञापन अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जगदलपुर द्वारा किया गया।

सेमिनार में बस्तर संभाग के कुल 43 न्यायिक अधिकारियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों द्वारा परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के मामलों की कार्यवाही का अवलोकन तथा इनके निपटारे हेतु नवीन उपकरण और तकनीकें, मध्यस्थता में रेफरल जज की भूमिका, डिक्री का क्रियान्वयन गिरफ्तारी एवं सिविल कारागृह में निरुद्धि तथा संपत्ति की कुर्की द्वारा समयबद्ध और प्रभावी प्रवर्तन हेतु रणनीतियाँ, सलाखों के पीछे या स्वतंत्र रिमांड और जमानत के प्रावधानों का गहन विश्लेषण, माननीय सर्वोच्च न्यायालय के नवीनतम निर्णयों के विशेष संदर्भ के संबंध में प्रस्तुतिकरण दिए गए।

महिला थाने के बाहर आत्मदाह करने वाली महिला की मौत, पुलिस पर उठे सवाल

रायपुर । रायपुर में एक दुखद घटना सामने आई है, जहां महिला थाने के बाहर खुद को आग लगाने वाली वर्षा गोस्वामी की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई है। 10 सितंबर को हुई इस घटना के बाद वर्षा 70% तक झुलस गई थीं और चार दिन तक जिंदगी के लिए संघर्ष करती रहीं।

घरेलू हिंसा और पुलिस की लापरवाही

वर्षा ने अपने पति शिवम गोस्वामी पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया था। उनकी बहन के मुताबिक, साल 2020 में लव मैरिज के बाद से ही वर्षा को प्रताड़ना का सामना करना पड़ रहा था। शिवम जुआ और सट्टेबाजी का आदी था और अक्सर वर्षा के साथ मारपीट करता था। उसने वर्षा और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी थी। परिवार ने पुरानी बस्ती थाने में कई बार शिकायत भी की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

आत्मदाह का खौफनाक कदम

10 सितंबर को वर्षा काउंसलिंग के लिए महिला थाने पहुंची थीं। पुलिस से मदद की उम्मीद टूटने और लगातार हो रही प्रताड़ना से निराश होकर उन्होंने थाने के बाहर ही खुद को आग लगा ली। इस घटना ने एक बार फिर पुलिस और महिला आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वर्षा की मौत के बाद पुलिस पर यह दबाव बढ़ गया है कि अगर समय रहते उनकी शिकायतों पर कार्रवाई की गई होती, तो शायद उनकी जान बचाई जा सकती थी।

महापौर अलका बाघमार ने पुष्पक नगर मेन रोड का किया निरीक्षण

सड़क पर सब्जी-फल बाजार हटाकर सीमित जगह पर लगाने के निर्देश

नॉनवेज ठेले हटेंगे, केवल वेज ठेले लगाने की अनुमति

0 महापौर ने स्पष्ट की दुर्ग की सीमाः स्मृति नगर बोर्ड से साइकिल रिपेयरिंग दुकान तकः

दुर्ग । नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने वार्ड क्रमांक 60 पुष्पक नगर मेन रोड का दौरा किया। इस दौरान उनके साथ लोककर्म प्रभारी देवनारायण चंद्राकर, बाजार विभाग प्रभारी शेखर चंद्राकर एवं प्रभारी बाजार अधिकारी अभ्युदय मिश्रा, अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर,ईश्वर वर्मा,शशिकांत यादव उपस्थित रहे।

महापौर ने सड़क किनारे अनियंत्रित रूप से लगाए गए अस्थायी सब्जी एवं फल बाजार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दुकानदारों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे सड़क पर दुकानें लगाना बंद करें और निर्धारित सीमित स्थान में ही ठेला या दुकान लगाएं, जिससे आम नागरिकों को आने-जाने में परेशानी न हो और यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

महापौर ने यह भी कहा कि नॉनवेज ठेले तत्काल हटाए जाएं और केवल शाकाहारी खाद्य सामग्री के ठेले लगाने की ही अनुमति दी जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जो भी दुकानें निगम की सीमा में आती हैं, उनके बोर्ड अनिवार्य रूप से अपने-अपने सीमा क्षेत्र के भीतर ही लगाए जाएं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से 26 अग्निवीरों ने की सौजन्य मुलाकात, 26 अग्निवीरों ने की सौजन्य मुलाकात

प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगी आपकी सफलता : मुख्यमंत्री श्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से आज बलरामपुर जिले के चयनित 26 अग्निवीरों ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने सभी युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार, गांव और जिले के लिए गौरव की बात है, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ राज्य के लिए गर्व का विषय है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अग्निवीर योजना युवाओं को सेना में शामिल होकर देशसेवा का सुनहरा अवसर प्रदान कर रही है। उन्होंने चयनित युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और देशप्रेम की भावना से ही सफलता की नई ऊँचाइयाँ प्राप्त की जा सकती हैं। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि सेना में शामिल होकर ये युवा सीमाओं की रक्षा करेंगे और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेंगे।

इस अवसर पर बलरामपुर जिले के चयनित अग्निवीरों में पिंकू पैकरा, जिन्दल, विकाश पैकरा, प्रकाश सिंह, खेल साय, आर्यन, देव नन्दन पन्ना, नरेन्द्र यादव, रंजीत केरकेट्टा, रमेश पैकरा, प्रियांशु, सनोज, निकिता नरसिंह, शशि किरण, सोहन लाल, महेन्द्र पैकरा, मिथलेश पैकरा, छोंटू, बज्जू पैकरा, पंकज, विवेक पैकरा, विधायक पैकरा, किशुन पैकरा, सोभनाथ पैकरा, अमित कुजूर और एंजेल लकड़ा शामिल रहे।

मुख्यमंत्री ने अतिथि शिक्षक श्री सुदर्शन यादव और उनकी टीम के निःशुल्क सेना भर्ती प्रशिक्षण के उल्लेखनीय प्रयासों की भी सराहना की। उनके प्रशिक्षण से लाभान्वित 30 युवाओं में से 26 युवा अग्निवीर भर्ती में चयनित हुए हैं।

इलेक्ट्रॉनिक वाहन में लगी आग, धमाके के साथ जलकर हुआ खाक

बिलासपुर । शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक इलेक्ट्रॉनिक वाहन में अचानक आग लगने की घटना सामने आई है। चश्मदीदों के अनुसार, वाहन में जोरदार धमाके के साथ आग लगी, जिससे कुछ ही मिनटों में पूरी गाड़ी जलकर खाक हो गई। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। वाहन मालिक का कहना है कि पहले भी गाड़ी में तकनीकी समस्या आने पर एजेंसी को कई बार सूचित किया गया था, लेकिन समस्या का समाधान नहीं किया गया। घटना के बाद वाहन एजेंसी पर लापरवाही का आरोप लगाया जा रहा है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है। स्थानीय लोगों ने इलेक्ट्रॉनिक वाहनों की गुणवत्ता और सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की है। प्रशासन से मांग की जा रही है कि इस तरह की घटनाओं की गंभीरता से जांच हो और दोषियों पर कार्रवाई की जाए।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने ली विभागीय समीक्षा बैठक, मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने ली विभागीय

योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, कुपोषण उन्मूलन और आंगनबाडियों के व्यवस्थित् संचालन पर दिए कड़े निर्देश

रायपुर। योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, कुपोषण उन्मूलन और आंगनबाडियों के व्यवस्थित् संचालन पर दिए कड़े निर्देशयोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, कुपोषण उन्मूलन और आंगनबाडियों के व्यवस्थित् संचालन पर दिए कड़े निर्देश महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने बलरामपुर जिले के संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में विभागीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की गहन समीक्षा कर अधिकारियों को जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन और सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर बल देते हुए कहा कि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय पर और पारदर्शिता के साथ मिले। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत जरूरतमंद परिवारों को प्राथमिकता से लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बाल विवाह रोकथाम की दिशा में गंभीर पहल करने पर जोर देते हुए कहा कि किशोरी बालिकाओं को बाल विवाह के दुष्परिणामों की जानकारी देकर जागरूक बनाया जाए, ताकि राज्य को बाल विवाह मुक्त बनाने का लक्ष्य हासिल हो सके। बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन को लेकर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि केंद्र नियमित समय पर खुलें, बच्चों की उपस्थिति और पोषण आहार की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने केंद्रों की साफ-सफाई, अध्यापन व्यवस्था और पोषण वाटिका व रेडी-टू-ईट वितरण की भी समीक्षा की। कुपोषण उन्मूलन पर विशेष जोर देते हुए मंत्री ने एनआरसी सेंटरों के सुचारू संचालन और कुपोषित बच्चों को नियमित आहार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने प्रधानमंत्री जनमन अंतर्गत निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवनों की गुणवत्ता सुनिश्चित कर कार्य शीघ्र पूर्ण करने, रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से संचालित करने और आंगनबाड़ी केंद्रों की नियमित मॉनिटरिंग करने को कहा।महिलाओं के सशक्तिकरण पर बल देते हुए श्रीमती राजवाड़े ने सक्षम योजना की समीक्षा कर महिलाओं को स्वरोजगार एवं उद्यमिता से जोड़ने के निर्देश दिए। साथ ही घरेलू हिंसा की रोकथाम के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर जनजागरूकता बढ़ाने की बात कही।बैठक में महतारी वंदन योजना, चाइल्डलाइन, किशोर न्याय बोर्ड, बाल कल्याण समिति, सखी वन स्टॉप सेंटर सहित विभागीय कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई। समाज कल्याण विभाग की समीक्षा के दौरान मंत्री ने पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों को समय पर लाभ दिलाने और विभाग में रिक्त पदों को शीघ्र भरने के निर्देश भी दिए। बैठक में समाज कल्याण विभाग की संचालक श्रीमती रोक्तिमा यादव, बलरामपुर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा, पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर रमनलाल, महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी श्रीमती विस्मिता पाटले, प्रभारी उप संचालक समाज कल्याण विभाग सुश्री स्टेला खलखो सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने बलरामपुर में विभिन्न संस्थाओं का किया निरीक्षण

बाल गृह में बच्चों संग किया संवाद, वृद्धाश्रम में बांटा अपनापन

सखी सेंटर में महिलाओं की सुरक्षा पर दिया जोर, नशामुक्ति केंद्र का किया निरीक्षण

रायपुर। सखी सेंटर में महिलाओं की सुरक्षा पर दिया जोर, नशामुक्ति केंद्र का किया निरीक्षणसखी सेंटर में महिलाओं की सुरक्षा पर दिया जोर, नशामुक्ति केंद्र का किया निरीक्षणमहिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के प्रवास के दौरान विभिन्न संस्थाओं का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मंत्री ने बाल गृह, वृद्धाश्रम, सखी सेंटर और नशामुक्ति केंद्र का दौरा कर बच्चों, महिलाओं और वृद्धजनों से आत्मीय मुलाकात की तथा अधिकारियों को संस्थानों की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए।सखी सेंटर में महिलाओं की सुरक्षा पर दिया जोर, नशामुक्ति केंद्र का किया निरीक्षणमंत्री श्रीमती राजवाड़े ने बालगृह में बच्चों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना। बच्चों ने पढ़ाई और खेलों से जुड़े सवालों के उत्साहपूर्वक जवाब दिए तथा सूर्य नमस्कार का प्रदर्शन भी किया। मंत्री ने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने और खेलकूद में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बच्चों के कक्ष, रसोई और स्वास्थ्य-देखभाल संबंधी व्यवस्थाओं का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव दिए।सखी सेंटर में महिलाओं की सुरक्षा पर दिया जोर, नशामुक्ति केंद्र का किया निरीक्षण वृद्धाश्रम पहुंचकर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने वहां आश्रित बुजुर्गों से आत्मीयता से भेंट की और उनके खानपान व स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि वृद्धजनों की देखभाल परिवारिक वातावरण में हो, इसके लिए संस्थान को हरसंभव प्रयास करने चाहिए। सखी सेंटर में मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने महिलाओं को आपातकालीन सहायता, हिंसा से सुरक्षा और त्वरित मदद की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने कर्मचारियों से संवाद कर सेंटर की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी ली।

सखी सेंटर में महिलाओं की सुरक्षा पर दिया जोर, नशामुक्ति केंद्र का किया निरीक्षण

नशामुक्ति केंद्र में नशा पीड़ितों से मिलकर मंत्री ने उनके स्वास्थ्य और पुनर्वास की स्थिति जानी। पीड़ितों ने बताया कि केंद्र में आकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। श्रीमती राजवाड़े ने उन्हें योग और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि नशा छोड़कर स्वरोजगार की दिशा में बढ़ें और समाज में सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत करें। निरीक्षण के दौरान समाज कल्याण विभाग की संचालक श्रीमती रोक्तिमा यादव, कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा, पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर रमनलाल, अपर कलेक्टर श्री अभिषेक गुप्ता सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

न्यूड पार्टी का खुलासा, सोशल मीडिया पोस्ट से मचा हड़कंप, 6 विदेशी हिरासत

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक कथित न्यूड पार्टी को लेकर सोशल मीडिया पर वायरल हुई पोस्ट ने हड़कंप मचा दिया है। 'सिनफुल राइटर' नाम की इंस्टाग्राम प्रोफाइल से किए गए पोस्ट में दावा किया गया कि शनिवार को एक सीक्रेट लोकेशन पर 18+ कपल्स, लड़कियों और महिलाओं के लिए न्यूड पार्टी आयोजित की जाएगी।

पोस्ट सामने आते ही पुलिस हरकत में आ गई और जांच शुरू की गई। बताया जा रहा है कि यह आयोजन रायपुर के एक निजी फार्महाउस में होने वाला था। पुलिस ने मौके से दो लोगों को हिरासत में लिया है, जबकि विदेश से आए 6 कपल्स को भी पूछताछ के लिए रोका गया है। पोस्ट में बताया गया था कि पार्टी में शामिल होने वालों को मोबाइल, स्मार्टवॉच और पर्स आदि अंदर ले जाने की अनुमति नहीं होगी। यानी अंदर क्या होगा, इसका कोई सबूत बाहर नहीं आएगा। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस तरह की पार्टियां युवाओं को नशे, अनैतिक गतिविधियों और असामाजिक व्यवहार की ओर धकेल रही हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है और आयोजकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी में है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

विजन महासागर की पहल से भारत की सोच मुखर

'विजन महासागर' और हिन्द-प्रशांत महासागरों की पहल से भारत की सोच मुखर होती है। दोनों देश शांतिपूर्ण, समृद्ध और स्थिर हिन्द-प्रशांत क्षेत्र के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके साथ ही दोनों देशों के हिन्द-प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ मजबूत और व्यापक संबंध भी हैं। इसके चलते दोनों देशों को अपने साझा उद्देश्यों को अभिव्यक्ति देने के लिए हिन्द-प्रशांत देशों में से कुछ के साथ बहुपक्षीय प्रारूपों में संवाद करने में मदद मिलती है। बेशक, भारत और जापान ने अपनी विशेष रणनीतिक और वैंकि साझेदारी में एक नये और सुनहरे अध्याय की मजबूत नींव रखी है। दो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं और जीवंत लोकतंत्र के रूप में भारत-जापान की साझेदारी न केवल इन दोनों के लिए, बल्कि वैंकि शांति और स्थिरता के लिए भी बहुत जरूरी है। मौजूदा वैंकि अस्थिरता के बरक्स जापान और भारत का परस्पर सहयोग बढ़ना इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि दोनों के बीच हुए समझौतों से इस तथ्य की तस्दीक होती है कि मजबूत लोकतंत्र बेहतर दुनिया को आकार देने में स्वाभाविक साझेदार होते हैं।

हर लम्हे ने सुकून ए समंदर पाया।

आँखों में तेरी इश्क का समंदर पाया है,
दर्द का इलाज भी तेरे ही अंदर पाया है।

तेरे ख्वाबों से रोशन होती रातें मेरी
दिल ने भूल-भुलैये का मंतर पाया ।

साँसों की खुशबू में जन्नत का असर,
हर लम्हे ने सुकून ए समंदर पाया।

तेरे लबों की हँसी जैसे हो सवेरा कोई,
पलकों में शाम का मंजर पाया पाया ।

वादों मे तेरे रहा चाहत का प्यारा जादू,
तन्हाई में भी दिल का हार सजाया है।

संजीव तेरे इश्किया राहे-सफ़र से
रूहानी सुकून का असर आया ।

- संजीव ठाकुर,

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन
PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp
Modimaya_ Vaidik_Netritva
Rashtriya Ekta
DLF-Vadra- Bhrasht Tantra
Silent Assassins Jan11,1966
Accursed & Jihadi Neighbour

ओजोन परत : जीवन की ढाल और उसके संरक्षण का संकल्प

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

ओजोन परत पृथ्वी पर मानव जीवन की ढाल है, क्योंकि यह समताप मंडलीय परत पृथ्वी को सूर्य की अधिकांश हानिकारक पराबैंगनी विकिरण से बचाती है। सूर्य के प्रकाश के बिना मानव, प्रकृति एवं जीव-जंतुओं का जीवन को संभव नहीं है, लेकिन सूर्य की सीधी किरणें मानव के लिये हानिकारक भी है, इन हानिकारक किरणों से ओज़ोन परत ही रक्षा करती है, जीवन को संभव बनाती है। धरती पर बढ़ रही पर्यावरण विनाश की गतिविधियों के कारण ओजोन परत का क्षरण होने लगा, जब 1970 के दशक के अंत में वैज्ञानिकों को पता चला कि मानव निर्मित प्रकृति दोहन इस सुरक्षा कवच में छेद कर रही है, तो उन्होंने चिंता जताई। ओजोन परत में यह छेद दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, जो रेफ्रिजरेटर और एयर कंडीशनर जैसे एयरोसोल और शीतलन उपकरणों में इस्तेमाल होने वाली ओज़ोन-क्षयकारी गैसों (ओडीएस) के कारण हो रहा था, जिससे त्वचा कैंसर और मोतियाबिंद के मामलों में वृद्धि और पौधों, फसलों और पारिस्थितिक तंत्र को नुकसान पहुँचाने का खतरा पैदा कर रहा था। ओजोन परत का क्षरण एक गंभीर खतरा एवं चुनौती के रूप में सामने आया। इसलिये वियना कन्वेंशन में ओजोन के संरक्षण के लिये प्रतिवर्ष विश्व ओजोन दिवस मनाया जाने लगा। इस वर्ष हम वियना कन्वेंशन की 35वीं वर्षगांठ और वैश्विक ओज़ोन परत संरक्षण की 35वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। हर साल, विश्व ओज़ोन दिवस वर्तमान चुनौतियों और प्रगति पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक अनूठी थीम पर मनाया जाता है। 2025 का आधिकारिक थीमःजीवन के लिए ओज़ोन' है। यह थीम हमारे ग्रह के लिए एक प्रभावी एवं रक्षात्मक ढाल के रूप में ओज़ोन परत के निरंतर महत्व पर प्रकाश डालती है और मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल की वैश्विक सफलता और भविष्य की संभावनाओं का जश्न मनाती है।

पृथ्वी की सतह से 10 से 40 किलोमीटर ऊपर समताप मंडल में स्थित ओज़ोन परत हमें हानिकारक पराबैंगनी विकिरण (यूवी रेडियेशन) से बचाती है। यह सुरक्षात्मक परत, जिसे स्ट्रैटोस्फेरिक ओज़ोन या अच्छी ओज़ोन के रूप में जाना जाता है, मोतियाबिंद और त्वचा कैंसर जैसे प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभावों को रोकती है तथा कृषि, वानिकी और जलीय जीवन की रक्षा करती है। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि ओज़ोन परत केवल एक वैज्ञानिक शब्द नहीं, बल्कि पृथ्वी पर जीवन की सुरक्षा कवच है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1994 में स्थापित, यह दिवस 1987 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर की तिथि को चिह्नित करता है, जो एक महत्वपूर्ण घटना थी जब दुनिया ओज़ोन परत को नुकसान पहुँचाने वाले पदार्थों को नियंत्रित करने के लिए एकजुट हुई थी। ओज़ोन परत पृथ्वी के समताप मंडल में स्थित है और सूर्य की अधिकांश हानिकारक पराबैंगनी किरणों को अवशोषित करती है, जिससे इसका संरक्षण सभी प्रकार के जीवन के लिए आवश्यक है। इस दिवस का उद्देश्य ओज़ोन परत के क्षरण को रोकना और पर्यावरणीय संतुलन की रक्षा करना है। यदि यह परत क्षतिग्रस्त हो जाए तो पृथ्वी पर जीवन असुरक्षित हो जाएगा। महात्मा गांधी ने कहा था कि प्रकृति हर व्यक्ति

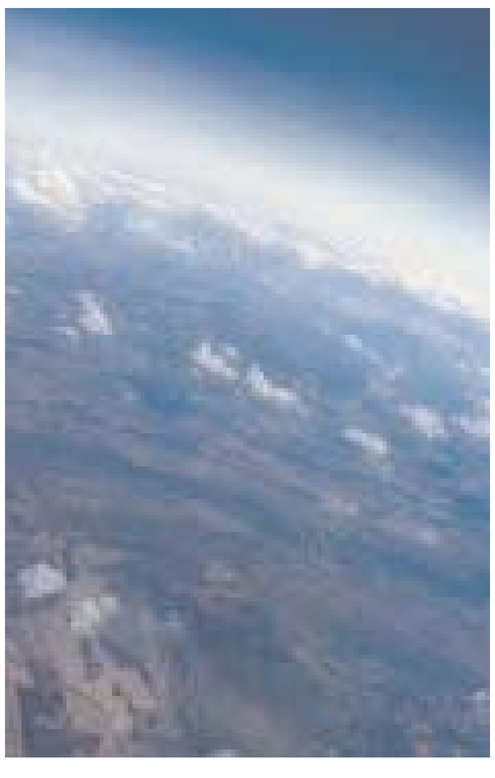

की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त साधन देती है लेकिन लालच को पूरा करने के लिए नहीं। यही कथन आज ओज़ोन संकट की मूल जड़ को समझाता है।

ओज़ोन परत के क्षरण के मुख्य कारणों में क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी) युक्त गैसें हैं जो फ्रिज, ए.सी., एरोसोल स्प्रे और फोम में प्रयुक्त होती हैं। वाहनों और उद्योगों से निकलने वाले प्रदूषक, रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग तथा वनों की अंधाधुंध कटाई और प्राकृतिक संसाधनों का दोहन भी इसके प्रमुख कारण हैं। इसका सीधा प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर पड़ता है। त्वचा कैंसर और आँखों का मोतियाबिंद बढ़ रहा है, रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो रही है और बच्चों व बुजुर्गों में श्वसन संबंधी बीमारियाँ तेजी से फैल रही हैं। ओज़ोन क्षरण जलवायु परिवर्तन और मौसम की चरम स्थितियों को भी जन्म देता है। ग्लेशियर पिघलने की गति तेज हो रही है, समुद्र तल बढ़ रहा है जिससे तटीय शहर खतरे में हैं और बेमौसम बारिश, लू तथा चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाएँ आम होती जा रही हैं। पर्यावरण पर भी इसका गहरा असर देखा जा रहा है। पौधों की वृद्धि और फसल उत्पादन प्रभावित हो रहा है, जल-जीवों और समुद्री पारिस्थितिकी को हानि पहुँच रही है और जैव विविधता असंतुलित हो रही है।

बढ़ते प्रदूषण और वाहन संकट ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। वाहनों से निकलने वाली ग्रीनहाउस गैसें और धुआँ न केवल वायु प्रदूषण को बढ़ा रहे हैं बल्कि ओज़ोन परत को भी कमजोर कर रहे हैं। महानगरों में दमघोंटू धुआँ, बदली हुई वर्षा प्रणाली और सांस की बीमारियाँ इसी का परिणाम हैं। इस संकट से निपटने के लिए हमें ठोस कदम उठाने होंगे। पर्यावरण-अनुकूल तकनीक का प्रयोग, सार्वजनिक परिवहन और साइकिल जैसी स्वच्छ यातायात व्यवस्था का अपनाना, पेड़ लगाना और वनों का संरक्षण करना, सीएफसी और हानिकारक रसायनों पर नियंत्रण तथा सौर, पवन और जल जैसी नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों का उपयोग करना आज की आवश्यकता है। ओज़ोन परत पृथ्वी के जीवन की प्राकृतिक ढाल है। यदि यह नष्ट हो गई तो जीवन की सुरक्षा संकट में पड़ जाएगी।

ओज़ोन परत का संरक्षण एवं संवर्द्धन का संकल्प दर्शाता है कि विज्ञान द्वारा निर्देशित सामूहिक निर्णय और कार्रवाई ही प्रमुख वैश्विक संकटों का समाधान है। कोरोना वायरस महामारी जैसे महासंकटों ने इतनी सामाजिक और आर्थिक कठिनाइयाँ पैदा की हैं, ओज़ोन संधियों का सद्भाव और सामूहिक भलाई के लिए मिलकर काम करने का संदेश पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण एवं प्रासंगिक हो गया है। इस दिवस का नारा, 'जीवन के लिए ओज़ोन', हमें याद दिलाता है कि ओज़ोन न केवल पृथ्वी पर जीवन के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए ओज़ोन परत की रक्षा करते रहना चाहिए। अध्ययनों से पता चल रहा है कि तापमान, पराबैंगनी विकिरण और वर्षा की आवृत्ति कुछ पौधों की प्रजातियों के जीवित रहने के लिए उपयुक्त आवासों की उपलब्धता या सीमा निर्धारित करने वाले प्रमुख कारक हैं। पराबैंगनी-बी विकिरण और जलवायु परिवर्तन से जुड़े कारक पौधों की वृद्धि, रोगाणुओं और कीटों से बचाव, और खाद्य फसलों की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। मानव स्वास्थ्य पर, पराबैंगनी विकिरण के गंभीर नकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं, हालाँकि, मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल ने बड़ी संख्या में मामलों और मौतों को रोकने में अहम भूमिका निभाई है। प्रदूषण के संदर्भ में, पराबैंगनी विकिरण वायुमंडल की संरचना और गुणवत्ता पर; मानव, स्थलीय और जलीय पर्यावरण के स्वास्थ्य पर; गहरा प्रभाव डाल सकता है। यह प्लास्टिक प्रदूषकों के विघटन को बढ़ावा देता है जिसका मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर प्रभाव पड़ता है।

शहरी और महाद्वीपीय स्तर के वायु प्रदूषण में यूवी विकिरण एक प्रमुख कारक है क्योंकि मानवीय गतिविधियों और प्राकृतिक प्रक्रियाओं से उत्सर्जित कई कार्बनिक यौगिक सौर यूवी विकिरण द्वारा विषाक्त उत्पादों में परिवर्तित हो जाते हैं, जिससे वायु की गुणवत्ता कम हो जाती है और मानव स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचता है। यूवी विकिरण जलीय वातावरण में प्रदूषकों के विघटन का एक प्रमुख कारण भी है, जिससे विषाक्त और कैंसरकारी उत्पाद उत्पन्न होते हैं। वायु की गुणवत्ता क्षोभमंडल में सौर यूवी विकिरण पर निर्भर करती है और इस प्रकार समतापमंडलीय ओजोन परत की मोटाई पर निर्भर करती है तथा यह समतापमंडल से क्षोभमंडल तक ओजोन के परिवहन से प्रभावित होती है। ओज़ोन परत का संरक्षण और संवर्धन इसलिए अत्यंत आवश्यक है क्योंकि यही परत सूर्य की घातक पराबैंगनी किरणों से धरती पर जीवन की रक्षा करती है। इसके बिना न तो मानव जीवन सुरक्षित रह सकता है, न ही पृथ्वी पर हरियाली, जल और प्राणी जगत का अस्तित्व संभव है। ओज़ोन का क्षरण हमारे स्वास्थ्य, पर्यावरण और भविष्य तीनों के लिए खतरे की घंटी है, इसलिए विश्व ओज़ोन दिवस केवल एक औपचारिक दिवस नहीं बल्कि यह संकल्प लेने का अवसर है कि हम प्रदूषण को रोकेंगे, हरियाली को बढ़ाएँगे, ऊर्जा के स्वच्छ साधनों का प्रयोग करेंगे और इस जीवनदायिनी ढाल को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

यह निजी विचार है।

हवाई जहाज में चलने वाले हवाई चप्पल पर आ गए

हरिशंकर व्यास

प्रधानमंत्री मोदी ने सपना दिखाया था कि हवाई चप्पल वाला भी हवाई जहाज में उड़े। और हुआ क्या? वे खुद तो साढ़े आठ हजार करोड़ रुपए के हवाई जहाज में उड़ने लगे लेकिन दूसरी तरफ हकीकत है कि हवाई चप्पल वाला तो हवाई जहाज में नहीं बैठ सका पर जो हवाई जहाज में चलते थे वे भी हवाई चप्पल पर आ गए। एक के एक बाद एक बड़ी विमानन कंपनियां बंद हो गईं। जेट और गो एयर जैसी बड़ी कंपनियां बंद हुईं। उनके जहाज खड़े हो गए। दो कंपनियों का एकाधिकार अब पूरे विमानन उद्योग पर है। ये कंपनियां मनमाने तरीके से रूट तय करती हैं और मनमाने तरीके से किराया लेती हैं। यात्रियों की रक्षा का कोई उपाय किसी नियम के जरिए नहीं है। सब कुछ एल्गोरिदम पर आधारित है।

अगर किसी ने एक रूट पर किराया दो बार सर्च कर दिया तो किराया बढ़ कर डेढ़ गुना हो जाएगा। अगर किसी ने एक बार में रिटर्न टिकट लेने की बजाय एक तरफ की टिकट ली है तो वापसी की टिकट इतनी महंगी हो जाएगी की पसीने छूट जाएंगे। लगभग सभी विमानन सेवाएं सस्ती विमान सेवा के रूप में चल रही हैं, लेकिन उसमें भी किराया प्रीमियम से कम नहीं होता है। कुछ खाना है तो वह खरीदना पड़ेगा, चार गुना कीमत पर। प्रीमियमम क्लास में भी ग्राहक को खिचड़ी सर्व हो रही है! हवाईअड्डों पर हर चीज की कीमत किसी अच्छे मॉल की तुलना में भी तीन गुनी, चार गुनी है। पार्किंग के रेट मनमाने हैं। बैगेज पर अलग पाबंदियां बढ़ती जा रही हैं। किसी भी स्तर पर यात्रियों के हितों का ध्यान रखने की कोई व्यवस्था नहीं है। तमाम सरकारी एजेंसियां विमानन कंपनियों के हिसाब से काम कर रही हैं। और उनका हिसाब है यात्रियों को कितनी तरह से लूटना।

ऐसा नहीं है कि निजी कंपनियां विमान चला रही हैं इसलिए वहां समस्या है। ट्रेन तो सरकार खुद भी चला रही है लेकिन वहां और बुरी दशा है। सरकार का जोर प्रीमियम ट्रेन चलाने पर है लेकिन पता नहीं कैसे उसे दिख नहीं रहा है कि प्रीमियम ट्रेनें खाली चल रही हैं। अब वंदे भारत और तेजस की चर्चा नहीं है। बिहार चुनाव है तो अमृत भारत ट्रेन की चर्चा है। पिछले दिनों रेलवे ने तत्काल टिकट के नियमों में बदलाव किया कि पहले आधे घंटे तक एजेंट टिकट नहीं ले सकेंगे। आम लोगों को ही टिकट मिलेगी, जिनके आधार वेरिफाई किए जाएंगे। लेकिन उसका क्या फायदा हुआ? पहले आधे घंटे आईआरसीटीसी की साइट ही हैंग हो जा रही है या आधार ही वेरिफाई नहीं हो पा रहा है। यह सामान्य टिकटों में भी हो रहा है। महीनों पहले लोग टिकट की बुकिंग कराते हैं लेकिन जिस दिन बुकिंग शुरू होती है उस दिन ज्यादातर सामान्य यात्रियों को आईआरसीटीसी की साइट पर बुकिंग में समस्या आती है और दोबारा सिस्टम रिफ्रेश कर के वे बुकिंग के लिए जाते हैं तब तक वेटिंग आने लगती है।

ऐसा लाखों लोगों के साथ होता है। ऊपर से जब वेटिंग टिकट कैंसिल कराएं तो पैसे अलग से कट जाते हैं। यानी टिकट भी नहीं मिली और पैसे भी कट गए। इसके बाद ज्यादा पैसे देकर एजेंट से टिकट खरीदने के अलावा कोई रास्ता नहीं होता है। ट्रेनों में हवाईजहाज की तरह डायनेमिक या फ्लेक्सी फेयर का कांसेप्ट लागू कर दिया है, जिसके बाद एक हजार रू की टिकट लोगों को दो हजार, ढाई हजार में मिलती है। इतनी महंगी टिकट लेने के बाद यात्रा पहले जैसी ही है। लेकिन रेल मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस देखें तो लगेगा कि सन 1853 में पहली ट्रेन चलने से भी बड़ी क्रांति पिछले 10 साल में हुई है।

सड़क परिवहन में सबसे ज्यादा मनभावक हरियाली याकि क्रांति का दावा है। हर जगह एक्सप्रेसवे की चर्चा है। पेट्रोल में 20 फीसदी इथेनॉल मिलाने का जो लक्ष्य 2030 तक पूरा होना था वह 2025 में ही पूरा हो गया। भले लोग चिल्ला रहे हैं कि इथेनॉल मिलाने से गाड़ियों के इंजन पर असर हो रहा है और माइलेज भी कम हो रही है लेकिन सरकार कान में तेल डाल कर बैठी है। सबसे दिलचस्प यह है कि कीमत कम करने के लिए इथेनॉल मिलाना शुरू हुआ था। लेकिन कीमत कम होने की बजाय अब तक के उच्चतम स्तर पर है। यानी कीमत कम नहीं हुई उलटे माइलेज कम होने से खर्च बढ़ गया और गाड़ियों के इंजन समय से पहले खराब होने लगे।

इन दिनों आयकर रिटर्न जल्दी दाखिल करने की रोज अपील जारी की जा रही है। कहा जा रहा है कि आप टैक्स देंगे तो हाईवे और एक्सप्रेसवे बनेंगे, देश के विकास में आपका योगदान होगा। लेकिन आय कर देने वाली एक मुर्गी छह बार हलाल हो रही है। एक बार आपने अपनी आय पर टैक्स दिया। फिर उस आय से गाड़ी खरीदी तो उस पर 28 फीसदी टैक्स दिया। उस गाड़ी का रजिस्ट्रेशन कराया तो वन टाइम रोड टैक्स दिया। गाड़ी का बीमा लिया तो उस पर टैक्स दिया, जो हर साल देना है।

यह निजी विचार है।

वाक और अभिव्यक्ति की आजादी पर पाबंदिया

अजीत द्विवेदी

भारत के संविधान में अभिव्यक्ति की आजादी पर कुछ तर्कसंगत पाबंदी लगाने का प्रावधान है। संविधान के अनुच्छेद 19 (2) में इसे व्याख्यायित किया गया है। सरकारें अलग अलग समय पर अपने हिसाब से इसकी व्याख्या करती रही हैं और बोलने या किसी भी रूप में अपने को अभिव्यक्त करने की आजादी को नियंत्रित करने का प्रयास करती रही हैं। हर बार सरकारें जब ऐसा प्रयास करती हैं तो उसके खिलाफ आवाज उठाई जाती है लेकिन अंततः सरकारें कामयाब होती हैं।

तभी धीरे धीरे वाक और अभिव्यक्ति की आजादी पर कई किस्म की पाबंदियां लग गई हैं। नए जमाने में यानी डिजिटल तकनीक के जमाने में जब लोगों को अभिव्यक्ति के नए प्लेटफॉर्म मिल गए हैं तब से पाबंदी की जरुरत ज्यादा महसूस की जा रही है और लगाई भी जा रही है। अब कुछ और नई पाबंदियों की आहट सुनाई दे रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए सरकार से कहा है कि वह डिजिटल मंचों पर होने वाली अभिव्यक्तियों को नियंत्रित करने के कानून बनाए। यह मामला एक खास किस्म की बीमारी से ग्रसित एक व्यक्ति का मजाक उड़ाने से जुड़ा हुआ है। कॉमेडी के नाम पर किसी व्यक्ति की शारीरिक कमतरी का मजाक उड़ाना किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से भारत में कॉमेडी का यह रूप सहज स्वीकार्य होता है।

स्त्रियों का, कम लंबाई वाले या मोटे लोगों का या शारीरिक कमतरी का मजाक उड़ाना स्टैंडअप कॉमिक में शामिल है। ऐसे ही एक मामले की सुनवाई करते हुए 25 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने सरकार से कहा कि वह नेशनल ब्रॉडकास्टर एंड डिजिटल एसोसिशएन यानी एनबीडीए से सलाह मशविरा करके सोशल मीडिया को नियंत्रित करने के लिए दिशानिर्देश तैयार करे।

असल में एक शारीरिक स्थिति होती है, जिसे स्पाइनल मस्क्यूलर एट्रोफी यानी एसएमए बोलते हैं, जो एक आनुवंशिक डिसऑर्डर है। एक गैर सरकारी संस्था ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी कि कई स्टैंडअप कॉमेडियन्स ने इस बीमारी से ग्रसित लोगों का मजाक बनाया है। इसमें समय रैना, विपुल गोयल, बलराज परमजीत सिंह घई, सोनाली ठक्कर और निशांत जगदीश तंवर का नाम लिया गया था। सुनवाई के दौरान सभी पक्षों ने इसकी आलोचना की। लेकिन असली परेशान करने वाली बात यह है कि जस्टिस बागची ने 'कॉमर्शियल स्पीच' का एक जुमला बोला और कहा कि जब आप अभिव्यक्ति की आजादी का व्यावसायीकरण करते हैं तो आपको ध्यान रखना चाहिए कि आपकी बात समाज के किसी हिस्से की भावना को आहत न करे।

सरकार की ओर से पेश हुए अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने इस पर तत्काल कहा कि सरकार इसे नियंत्रित करने के लिए दिशानिर्देश तैयार करेगी। इस पर अदालत ने कहा कि जो भी दिशानिर्देश बनाया जाए वह सिर्फ किसी विशिष्ठ घटनाक्रम से पैदा हुए सवालों को ही एड्रेस न करे, बल्कि नई

तकनीक और अभिव्यक्ति के नए उभरते मंचों की वजह से जो स्थितियां पैदा हो रही हैं उनको ध्यान में रखने वाली हों।

जाहिर है अदालत चाहती है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कंटेंट को नियंत्रित करने के लिए एक समग्र दिशानिर्देश जारी हो। सर्वोच्च अदालत का यह आदेश सरकार के हाथ में एक नया हथियार दे सकता है। ध्यान रहे भारत के संविधान में अनुच्छेद 19 (2) के जरिए नियंत्रण के जो उपाय बताएं हैं उसके अलावा आईटी एक्ट 2000 के आईटी (इंटरमीडियरी गाइडलाइंस एंड डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) रूल्स 2021 के जरिए भी सोशल मीडिया को नियंत्रित करने के उपाय किए गए हैं।

इसमें कहा गया है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स किसी तरह से सामाजिक विद्वेष फैलाने वाला या अश्लील कंटेंट प्रसारित नहीं होने देंगे। अगर इस कानून को कायदे से लागू किया जाए तो किसी अतिरिक्त कानून की जरुरत नहीं पड़ेगी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सरकार ने जितनी खुशी खुशी दिशानिर्देश बनाने की सहमति दी उससे लग रहा है कि सोशल मीडिया को नियंत्रित करने का कोई और कानून भी आ सकता है।

सर्वोच्च अदालत के आदेश में एक और बात विरोधाभासी दिखती है, जो 'कॉमर्शियल स्पीच' से जुड़ी है। अगर किसी स्टैंडअप कॉमेडियन के एक्ट को इस आधार पर 'कॉमर्शियल स्पीच' माना जाएगा कि वह उससे पैसे कमा रहा है तो फिर किसी पत्रकार या किसी अभिनेता या किसी लेखक को कैसे इससे बाहर रखा जा सकेगा? ध्यान रहे पत्रकार और लेखक भी अपने लेखन से पैसा कमाते हैं और अभिनेता पैसे के लिए ही फिल्मों या टेलीविजन में काम करते हैं। निर्माता, निर्देशक पैसे कमाने के लिए ही फिल्में बनाते हैं। अगर 'कॉमर्शियल स्पीच' का दायरा बढ़ा तो वाक और अभिव्यक्ति का हर स्वरूप और हर प्लेटफॉर्म इसके दायरे में आ जाएगा। यह सिर्फ सोशल मीडिया तक नहीं रूकेगा, बल्कि अखबार, पत्रिकाएं, फिल्म, टेलीविजन सब इसके दायरे में आएंगे। यहां तक कि नेता के भाषण को भी इसके दायरे में लाया जा सकता है क्योंकि उसका भी अंतिम लक्ष्य लाभ का पद हासिल करना होता है।

यह विरोधाभासी इसलिए है क्योंकि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के अपने फैसले अलग अलग रहे हैं। हमदर्द दवाखाना बनाम भारत सरकार मामले में 1959 में सुप्रीम कोर्ट ने माना था कि विज्ञापन भी एक किस्म की अभिव्यक्ति का माध्यम है लेकिन जब इसमें व्यापार का पहलू शामिल हो जाता है तो यह विचारों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति के दायरे में नहीं आता है। हालांकि बाद में टाटा प्रेस बनाम महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड के केस में 1995 में माना कि कॉमर्शियल स्पीच को सिर्फ इस आधार पर अभिव्यक्ति की आजादी के दायरे से बाहर नहीं किया जा सकता है कि कोई लाभ कमाने वाली कंपनी इसे जारी कर रही है। बाद में एक और मामले में अदालत ने विज्ञापनों में सामाजिक सद्भाव और हितों का ध्यान रखने की सलाह दी थी।

परंतु ऐसा लग रहा है कि इस मामले में स्थिति बहुत स्पष्ट नहीं है। अगर इस पर समग्रता से विचार नहीं किया गया तो सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश को आधार बना कर ऐसे दिशानिर्देश जारी कर सकती है, जिसके दम पर किसी भी स्पीच को कॉमर्शियल बताया जा सकता है, उस पर रोक लगाई जा सकती है और उससे जुड़े लोगों को सजा दी जा सकती है। इसलिए इस मामले में स्पष्टता की जरुरत है। साथ ही यह भी ध्यान रखने की जरुरत है कि भारत में पहले से बहुत सारे कानून हैं। नए कानून की बजाय पुराने कानूनों, नियमों और दिशानिर्देशों को प्रभावी तरीके से लागू करने के उपाय करने चाहिए। **यह निजी विचार है।**

आंजनेय यूनिवर्सिटी : इंजीनियर्स डे के अवसर पर हुए विविध आयोजन

विकसित भारत के निर्माण में इंजीनियर्स की भूमिका महत्वपूर्ण : वाइस चांसलर डॉ. टी. रामाराव

रायपुर : संवाददाता

आंजनेय यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. टी. रामाराव ने इंजीनियर्स डे के अवसर पर कि विकसित भारत के सपने को साकार करने में इंजीनियर्स की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि देश की प्रगति, चाहे वह आर्थिक हो, तकनीकी हो या सामाजिक, इंजीनियरिंग और नवाचार पर बहुत हद तक निर्भर करती है। यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर जनरल डॉ. बीसी जैन ने बताया कि आज के इंजीनियर्स सिर्फ मशीनें या सॉफ्टवेयर नहीं बनाते, बल्कि वे समस्याओं के समाधानकर्ता हैं। वे पुल, सड़कें, स्मार्ट सिटी, टिकाऊ ऊर्जा स्रोत, और जीवन रक्षक चिकित्सा उपकरण जैसी बुनियादी संरचनाओं का निर्माण करके देश की प्रगति में सीधा योगदान देते हैं। प्रो वाइस चांसलर डॉ सुमित श्रीवास्तव ने बताया कि आंजनेय यूनिवर्सिटी का लक्ष्य ऐसे इंजीनियर्स तैयार करना है जो न केवल तकनीकी रूप से दक्ष हों, बल्कि उनमें सामाजिक चेतना और नवाचार की भावना भी हो। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा हाल ही में शुरू किए गए नए इंजीनियरिंग कार्यक्रमों और अनुसंधान केंद्र छात्रों को आधुनिक उद्योगों की मांगों के लिए तैयार कर रहे हैं। विद्यार्थियों ने विशेष रूप से टिकाऊ प्रौद्योगिकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में अनुसंधान के महत्व पर जोर दिया, क्योंकि ये क्षेत्र भविष्य में भारत की वैश्विक स्थिति को मजबूत करेंगे।

विदेश में पढ़ाई के अवसर

इंजीनियर्स डे के अवसर पर आंजनेय यूनिवर्सिटी ने अपने छात्रों के लिए 'विदेश में पढ़ाई के अवसर' विषय पर एक विशेष मार्गदर्शन सत्र का आयोजन किया। इस अवसर पर अभिषेक नखट ने छात्रों को वैश्विक शिक्षा के विभिन्न पहलुओं, प्रवेश प्रक्रियाओं और उपलब्ध छात्रवृत्तियों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की । विशेषज्ञ ने छात्रों के सवालों का जवाब दिया। उन्होंने विदेश में अध्ययन के लिए सही पाठ्यक्रम और विश्वविद्यालय का चयन कैसे करें, आवश्यक दस्तावेज़ तैयार करने की प्रक्रिया, और विभिन्न देशों की वीजा आवश्यकताओं पर प्रकाश डाला।

इस पहल के पीछे विश्वविद्यालय का उद्देश्य छात्रों को केवल स्थानीय नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है। सत्र के दौरान, यह भी बताया गया कि विदेश में शिक्षा प्राप्त करने से न केवल अकादमिक ज्ञान बढ़ता है, बल्कि यह छात्रों को सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाता है और उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करता है। आंजनेय यूनिवर्सिटी अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ छात्रों को ऐसे अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है जो उन्हें अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोजर दे सकें।

यह सत्र उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो छात्रों को उनके भविष्य के लिए बेहतर निर्णय लेने में मदद करेगा।

आगामी अग्रसेन जयंती को लेकर केसिंगा में भव्य कार्यक्रम की शुरुआत

केसिंगा संवाददाता।

आगामी 22 तारीख को होने जा रहा श्री श्री 1008 श्री अग्रसेन जी महाराज जी का जन्म जयन्ती समारोह बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाया जाएगा । इस समारोह को देखते हुए पूरे केसिंगा शहर में खुशी का माहौल देखने को मिल रहा है । स्थानीय अग्रवाल सभा की ओर से पिछले 11 दिन तक खेल कूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम को आकर्षण करने के लिए कोई कसर छोड़ा नहीं जा रहा है। पिछले 25 सालों से स्थानीय अग्रवाल सभा के द्वारा अग्रसेन जयन्ती बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस सभी कार्यक्रम को देखने के लिए पूरे के केसिंगा समाज के भाई-बहन एक मंच पर आकर के अपना परिचय प्रदान कर रहे है। स्थानीय अग्रसेन भवन में कई कार्यक्रमों को देखने के लिए स्थानीय महिलाएं भारी संख्या में आकर के अपना योगदान दे रहे हैं। इन सभी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अग्रवाल सभा के भाई बहन कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं ।आज स्थानीय अग्रसेन भवन में कुछ प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण किया गया। इस इस प्रतियोगिताओं को पुरस्कार देने के लिए जूनागढ़ से मारवाड़ी महिला मंडल के अध्यक्ष श्रीमती चंद्रकला अग्रवाल एवं भवानीपटना से श्रीमती अनीता अग्रवाल का गरिमा मय उपस्थित रहा। इन सभी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अग्रवाल सभा के अध्यक्ष श्री कालू अग्रवाल और उनके टीम साधुवाद के पात्र बने हैं। इन साभियों ने अथक प्रयास करके सभी कार्यक्रमों को चार चान्द लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। श्री प्रदीप अग्रवाल, सुनील जैन, बीनू अग्रवाल, कालू जैन, लज्जे राम अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, विक्की अग्रवाल एवं महिला मंडल के कार्यकर्ताओं ने मिलकर के हर कार्यक्रम को नया रूप देने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के कई प्रमुख प्रावधानों पर रोक लगाने के बाद, लेकिन पूरे कानून पर रोक लगाने से इनकार करने के बाद, नई दिल्ली स्थित अदालत परिसर में अधिवक्ता बरुण सिन्हा मीडिया से बात करते हुए।

केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी वाराणसी के सर्किट हाउस सभागार में दिशा बैठक की अध्यक्षता करते हुए।

केन्द्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग 2 अक्टूबर, 2025 से 31 अक्टूबर, 2025 तक पांचवे विशेष अभियान के लिए तैयार

पीआईबी

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने प्रथम, द्वितीय, तृतीय और चौथे विशेष अभियान सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद अब 2 अक्टूबर, 2025 से 31 अक्टूबर, 2025 तक पांचवे विशेष अभियान की विभिन्न गतिविधियों की योजना बनाई है। इसमें विभिन्न प्रकार के लंबित मामलों के निपटान, बेहतर रिकॉर्ड प्रबंधन, स्थान प्रबंधन, ई-कचरा प्रबंधन और कार्यालय परिसर को स्वच्छ व सौन्दर्यीकरण बनाने के विभिन्न मापदंड शामिल हैं। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के चौथे विशेष अभियान का मुख्य ध्यान स्वच्छता में सुधार और लंबित मामलों के निपटान पर केंद्रित था। अभियान के दौरान विभाग ने स्वच्छता, स्थान प्रबंधन, अभिलेख प्रबंधन और विभिन्न मामलों के निपटान पर विशेष ध्यान दिया। सितंबर 2024 से अगस्त 2025 तक चले चौथे विशेष अभियान के दौरान, कुल 65507 फाइलों का निपटान किया गया, कुल 158786 वर्ग फीट स्थान अनावश्यक वस्तुओं से मुक्त किया गया और इससे कुल 45.12 लाख रुपये का राजस्व उत्पन्न हुआ। नवंबर 2024 से अगस्त 2025 तक, पुरानी फाइलों को छांटकर।

केंद्रीय राज्य मंत्री श्री अजय टम्टा ने हिमाचल में आपदा प्रभावित क्षेत्रों की विशेष समीक्षा यात्रा की

पीआईबी

हिमाचल प्रदेश में इस मानसून के मौसम में विनाशकारी वर्षा हुई है, जिसके परिणामस्वरूप पूरे राज्य में जान-माल का नुकसान हुआ है। कुल्लू और मंडी जिले काफी प्रभावित हुए हैं। जून में मानसून के मौसम की शुरुआत से ही कीरतपुर-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर मामूली भूस्खलन देखे जा रहे थे, जिन्हें सुचारू यातायात सुनिश्चित करने के लिए एनएचएआई द्वारा तुरंत साफ किया जा रहा हैं। हालाँकि, 25, 26 और 27 अगस्त को अंजनी महादेव (सोलंग नाले के पास), मनालसू (पुराने मनाली के पास) और बड़ाग्राम (पतलीकूहल में) जैसे ब्यास नदी के नालों में अचानक बादल फटने के कारण ब्यास नदी में अचानक बाढ़ आ गई। पानी का तेज बहाव अपने साथ तेज गति से भारी पत्थर लेकर आया, जिससे कई स्थानों पर राष्ट्रीय राजमार्ग क्षतिग्रस्त हो गया।

परिणामस्वरूप, राजमार्ग कई स्थानों पर पूरी तरह बह गया और मनाली तथा कुल्लू का संपर्क टूट गया। इसके बाद, यातायात को बाएँ किनारे वाली एमडीआर सड़क से डायवर्ट किया गया। मनाली का देश के बाकी हिस्सों से संपर्क सुनिश्चित करने के लिए एनएचएआई ने इस एमडीआर के क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत के लिए 4 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। इसके अतिरिक्त, कुल्लू-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर तत्काल मरम्मत का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। एनएचएआई के अध्यक्ष ने तत्काल मरम्मत कार्यों के लिए 100 करोड़ रुपये पहले ही स्वीकृत कर दिए हैं।

एनएचएआई ने युद्ध स्तर पर काम करते हुए कुल्लू और मनाली के बीच के मध्यवर्ती स्थानों पर आवश्यक सेवाओं को प्रभावित न होने देने के लिए रायसन, पतलीकूहल, कलाथ, अलियो ग्राउंड जैसे संपर्क-बंद स्थानों की कनेक्टिविटी बहाल कर दी है। कुल्लू-मनाली के अलावा, पंडोह से टकोली के बीच बड़े भूस्खलन हुए हैं, जिससे यातायात प्रभावित हुआ है। भूस्खलन हटाने वाली मशीनें मौके पर तैनात हैं और यातायात की आवागमन बनाए रखने के लिए लगातार मलबा हटाया जा रहा है। इस क्षेत्र की कठिन भूमि, नाजुक भू-आकृति और चरम मौसम की घटनाएँ राजमार्ग विकास में बड़ी चुनौतियाँ पेश करती हैं।

तत्काल बहाली कार्यों के अलावा, दीर्घकालिक सुरक्षा कार्यों के लिए डीपीआर का काम भी लगभग अंतिम चरण में है। स्थायी उपायों में सुरंगों, पुलों, ढलान तथा नदी सुरक्षा कार्यों का प्रावधान शामिल होगा।

इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग के अधीन ऑट में कीरतपुर-मनाली सड़क को जोड़ने वाले एक अन्य एनएच-305 को भी कई स्थानों पर भूस्खलन और सड़क धंसने के कारण भारी नुकसान हुआ है। संपर्क बाधित होने के कारण धामन, लारजी, बालीचौकी, बाहुगी, सिरदाह, तरगाली, सराय जैसे कई स्थान कुछ दिनों के लिए कट गए थे, जिससे दैनिक वस्तुओं की नियमित आपूर्ति में कठिनाई हो रही थी। भारी बारिश ने यातायात बहाली कार्यों को करने में भी चुनौतियाँ पेश की इन चुनौतियों के बावजूद, हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग ने सड़क को यातायात योग्य बनाए रखने के लिए जनशक्ति और मशीनरी जुटाने के रूप में सभी प्रयास किए।

अटल इनोवेशन मिशन, नीति आयोग के मेगा टिंकरिंग दिवस ने रिकॉर्ड भागीदारी के साथ इतिहास रचा

पीआईबी

माननीय प्रधानमंत्री ने पूरे देश में नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को विकसित करने के उद्देश्य से अटल नवाचार मिशन का शुभारंभ किया था। आज, नीति आयोग के अटल नवाचार मिशन (एआईएम) को विश्व के सबसे बड़े जमीनी स्तर के नवाचार आंदोलनों में से गिना जाता है और इसने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, क्योंकि इसकी प्रमुख पहल, मेगा टिंकरिंग दिवस 2025, ने प्रतिष्ठित इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपनी जगह बनाई है। यह एक ही दिन में एक टिंकरिंग गतिविधि में भाग लेने वाले छात्रों की अधिकतम संख्या का एक नया रिकॉर्ड है। 12 अगस्त, 2025 को, 9,467 अटल टिंकरिंग लैब (एटीएल) स्कूलों के 4,73,350 छात्र स्वच्छ भारत के लिए एक समाधान तैयार करने के लिए एक साथ आए और एक लाइव, चरण-दर-चरण ऑनलाइन सत्र के माध्यम से अपना डीआईवाई वैक्यूम क्लीनर बनाया।

इस रिकॉर्ड की आधिकारिक पुष्टि और औपचारिक घोषणा 15 सितंबर, 2025 को इंडिया बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स और एशिया बुक ऑफ़रिकॉर्ड्स दोनों द्वारा की गई। यह मान्यता भारत के युवाओं में नवाचार और वैज्ञानिक सोच को अभूतपूर्व पैमाने पर बढ़ावा देने के एआईएम के मिशन का प्रमाण है।

इस अवसर पर बोलते हुए अटल इनोवेशन मिशन के मिशन निदेशक दीपक बागला ने कहाः ''यह पहल माननीय प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत के विजन' के अनुरूप है, जहां नवाचार और युवा शक्ति देश की विकास गाथा की नींव है। देश का भविष्य हमारी कक्षाओं में निर्मित हो रहा है और अटल टिंकरिंग लैब्स के जरिए हम छात्रों को न केवल तकनीकी कौशल से लैस कर रहे हैं, बल्कि बड़े सपने देखने, अलग सोचने और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों को हल करने की मानसिकता भी दे रहे हैं।''

उन्होंने आगे कहा, ÷मेगा टिंकरिंग डे सिर्फ़ एक रिकॉर्ड नहीं है - यह एक आंदोलन है। यह हमारे युवा नवप्रवर्तकों की सामूहिक ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करता है, जो देश के सबसे दूरराज के कोनों से लेकर उसके व्यस्त शहरों तक सीखने, सृजित करने और सहयोग के लिए एक साथ आए। विश्व के किसी भी अन्य देश ने अपने स्कूल ईको-सिस्टम के भीतर इस पैमाने पर नवाचार को गति नहीं दी है। यह रिकॉर्ड दर्शाता है कि जब आप सही उपकरण, मार्गदर्शन, प्रेरणा और नेतृत्व प्रदान करते हैं, तो भारत के बच्चे कल की दुनिया को फिर से आकार देने में सक्षम हैं।÷

मेगा टिंकरिंग दिवस 2025 भारत के हर कोने के स्कूलों तक पहुंचा, जिसमें लेह, लद्दाख, कारगिल और कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्र, विरुधुनगर जैसे आकांक्षी ज़िले, मणिपुर, मिज़ोरम और अरुणाचल प्रदेश जैसे पूर्वोत्तर राज्य और दक्षिण में कन्याकुमारी और पश्चिम में भुज जैसे दूरस्थ भौगोलिक क्षेत्र शामिल हैं। भागीदारी के इस पैमाने ने यह स्पष्ट कर दिया कि एआईएम भौगोलिक और अवसंरचनात्मक बाधाओं को पार करते हुए छात्रों को खोज और नवाचार की साझा यात्रा में एकजुट करने में सक्षम है। अपनी स्थापना के बाद से अटल इनोवेशन मिशन ने पूरे देश में 10,000 से अधिक अटल टिंकरिंग लैब्स स्थापित की हैं, जो ऐसे राष्ट्रीय स्तर के नेटवर्क का निर्माण करती हैं जहां छात्र को 3डी प्रिंटिंग, रोबोटिक्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (एलओटी) और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी प्रौद्योगिकियों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करती हैं। ये प्रयोगशालाएं छात्रों में समस्या-समाधान, डिज़ाइन थिंकिंग और उद्यमशीलता की भावना को पोषित करने के लिए बनाई गई हैं, ताकि वे भविष्य के नवोन्मेषक बन सकें।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 4.03 अरब डॉलर बढ़कर 698.26 अरब डॉलर हुआ, गोल्ड रिजर्व भी बढ़ा

नई दिल्ली ,भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 5 सितंबर को समाप्त हुए हफ्ते में सालाना आधार पर 4.03 अरब डॉलर बढ़कर 698.26 अरब डॉलर हो गया है। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को दी गई। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार बढ़त देखी जा रही है। पिछले महीने विदेशी मुद्रा भंडार 3.51 अरब डॉलर बढ़कर 694.2 अरब डॉलर हो गया है। आरबीआई के डेटा के मुताबिक, विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) का मूल्य 54 करोड़ डॉलर बढ़कर 584.47 अरब डॉलर हो गया है। विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों के मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव डॉलर के रूप में शामिल होता है।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता
महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)
ई–प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 175228/निविदा सूचना क्र. 04/वलेलि/2025–26, छुईखदान दिनांक 12.09.2025

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक **03.10.2025** 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है:–

कार्य का नाम – खैरागढ़–छुईखदान–गंडई जिले के विकासखंड–छुईखदान के सिद्धबाबा जलाशय योजना की फीडर मुख्य नहर अंतर्गत कोटरा माईनर आर.डी. 0 मी. से 1920 मी., उदयपुर माईनर आर.डी. 0 मी. से 1770 मी., पुरेना माईनर आर.डी. 0 मी. से आर.डी. 1230 मी., कोटरीछापर माईनर आर.डी. 0 मी. 1290 मी., खैरी माईनर आर.डी. 0 मी. से 1320 मी., मैनहर माईनर आर.डी. 0 मी. से 1500 मी. सीताडबरी माईनर आर.डी. 0 मी. से 960 मी., घीरघोली माईनर आर.डी. 0 मी. से 1230 मी., गभरा माईनर आर.डी. 0 मी. से 2340 मी. तक निर्माण साथ ही 20 नग वी. आर.बी., 15 नग फाल, 04 नग माईनर हेड, 01 नग हेड स्लूस, गभरा माईनर आर.डी. 0 मी. से 750 मी. तक आर. सी.सी. ओपनट्रफ एवं कुलाबा फिर्विसग का निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत – रू. 483.83 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई–प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक **19.09.2025** समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई–प्रोक्योरमेंट् वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता,
जल संसाधन संभाग, छुईखदान
कृते मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार,
जल संसाधन विभाग, रायपुर, छ.ग.

G-252603503/4

कमल फूल पर मां लक्ष्मी के स्वरूप में विराजेंगी जगत जननी दुर्गा, रत्नो व सोने चांदी से होगा श्रृंगार

श्री श्री दुर्गा पूजा उत्सव नैला जांजगीर का प्रेस वार्ता.......

परंपरा शांति के प्रतीक म्यांमार वर्मा के श्वेत मंदिर की प्रतिकृति का तैयार हो रहा भव्य पंडाल.......

जांजगीर-चांपा। मां लक्ष्मी के स्वरूप में कमल फूल पर जगत जननी दुर्गा जी विराजेंगी। पंडाल का बाह्य स्वरूप म्यांमार के श्वेत मंदिर यानि सिनब्युम पैगोडा की तरह होगा द्य इंटीरियर अक्षरधाम मंदिर के शीश महल की तरह सजेगा। श्री श्री दुर्गा पूजा उत्सव समिति नैला-जांजगीर द्वारा इस बार भी भव्यतम स्वरूप दिया जा रहा है। आयोजकों ने प्रेसवार्ता में यह जानकारी दी। श्री श्री दुर्गा पूजा उत्सव 2025 (रेलवे स्टेशन के सामने, अग्रसेन भवन परिसर, नैला) में भव्यता की नई मिसाल देखने को मिलेगी। पंडाल का निर्माण म्यांमार के विश्व प्रसिद्ध श्वेत मंदिर की तर्ज पर किया जा रहा है, जो अपने अद्वितीय स्थापत्य सौंदर्य और आध्यात्मिकता के लिए जाना जाता है।

140 फीट ऊंचा, 150 फीट चौड़ा भव्य प्रवेश द्वार, 35 फीट ऊंची प्रतिमा........

विशाल प्रवेश द्वार की ऊँचाई लगभग 140 फीट और चौड़ाई 150 फीट होगी। पूरी संरचाना श्वेत रंग में तैयार की जाएगी, जो श्रद्धालुओं को दिव्यता, शांति और सांस्कृतिक गौरव का अनुभव कराएगी। यह पंडाल न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र होगा, बल्कि स्थापत्य कला और संस्कृति का अ?द्भुत संगम भी प्रस्तुत करेगा। हर वर्ष की तरह इस बार भी दुर्गा प्रतिमा बिशेष भीम और पारंपरिक शिल्पकारों के साथ तैयार की जाएगी। आयोजन समिति का दावा है कि यह पंडाल पूरे प्रदेश सहित देशभर के भक्तों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा।

शीश महल में पधारेंगी मां दुर्गा, एलईडी प्रोजेक्टर से होगा प्रदर्शन.......

श्री श्री दुर्गा उत्सव के राजेश पालीवाल ने प्रेस वार्ता में बताया कि पंडाल के अंदर का अक्षरधाम मंदिर के तर्ज में शीश महल बनाया जा रहा है जहां दुर्गा मां विराजेंगी। इसर वर्ष लक्ष्मी के स्वरूप में मां दुर्गा पधार रही हैं इसलिए कमल फूल पर विराजित रहेंगी। 35 फीट ऊंची मां दुर्गा की प्रतिमा तैयार की जा रही है। मां दुर्गा का श्रृंगार भव्य किया जावेगा जिसमे आर्टिफिशियल के साथ साथ हीरे मोती व सोने-चांदी के जेवरात भी उपयोग में लाए जायेंगे। एलईडी प्रोजेक्टर के माध्यम से विभिन्न थीमों पर कहानियों का प्रदर्शन किया जावेगा।

दर्शनार्थियों के लिए हर संभव व्यवस्था बनाने का प्रयास .... राजेश पालीवाल - श्रीश्री दुर्गा पूजा उत्सव समिति नैला जांजगीर की ओर से राजेश राजू पालीवाल ने बताया कि पंडाल में प्रशिक्षित मेडिकल कर्मचारियों के देखरेख में प्राथमिक चिकित्सा, एम्बुलेंस व व्हील चेयर का सुविधा रहेगा। अधिकृत एजेंसी एवं कुशल व्यक्तियों के साथ अग्निशामक लगाए जा रहे है। पूरे पंडाल में दो सौ से अधिक सीसीटीचा लगाए जायेंगे। 24 घंटे विद्युत व्यवस्था को बनाये रखने के लिए जनरेटर लगाए जा रहे है। श्री पालीवाल ने कहा कि प्रशासन के निर्देश व सहयोग पर सुरक्षा व्यवस्था सख्त रखी जावेगी। दो सौ वालेंटियर कार्य करेंगे। पंडाल क्षेत्र में पेयजल, नैला धर्मशाला व अग्रसेन भवन में विश्राम एवं अन्य व्यवस्था रखी गई है।

दर्शन के लिए देशभर से आते हैं लोग.....

नैला का दुर्गा उत्सव प्रदेश ही नहीं बल्कि देश भर में प्रसिद्ध हो चुका है हर बार लोगों में यह उत्सुकता रहती है कि इस बार नैलाका दुर्गा उत्सव कैसा होगा कैसे मूर्ति बनेगी पंडाल कितना विशाल होगा, इसे देखने के लिए प्रदेश ही नहीं बल्कि मध्य प्रदेश ,उड़ीसा, बिहार ,उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पश्चिम बंगाल ,झारखंड सहित अन्य कई राज्यों के श्रद्धालु बड़ी संख्या में आते हैं द्य

पार्किंग का रहेगा विशेष इंतजाम.......पालीवाल

मेला दुर्गा उत्सव की प्रसिद्ध बढ़ाने के साथ ही यहां हर साल भीड़ भी बढ़ती जा रही है नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमडती है, पिछले साल इतनी भीड़ उमड़ी थी किनैला में पैर रखने तक के लिए जगह नहीं बची थी। जिसे देखते हुए इस बार समिति के द्वारा 10 से अधिक स्थानों पर पार्किंग का प्लान जिला और पुलिस प्रशासन से मिलकर तैयार किया गया है ।

महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव के अवसर पर फ्री हेल्थ केम्प का आयोजन 17को अग्रसेन भवन नैला में

जांजगीर चाम्पा,संवाददाता। महाराज अग्रसेन जयंती महोत्सव के अवसर पर अग्रवाल समाज नैला जांजगीर एवं अपोलो हॉस्पिटल बिलासपुर के संयुक्त तत्वाधान में सर्व समाज हेतु निशुल्क स्वास्थ्य जागरूकता एवं हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन 17 सितंबर दिन बुधवार को समय सुबह 10:00 से दोपहर 2:00 तक अग्रेशन भवन नैला जांजगीर में आयोजित किया गया है द्य उक्त फ्री कैंप में विशेष तौर पर कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का का आयोजन किया गया है ,जिसके अंतर्गत अपोलो हॉस्पिटल बिलासपुर के ख्याति प्राप्त विशेषज्ञ वरिष्ठ कैंसर सर्जन डॉ अमित वर्मा स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ रश्मि शर्मा हृदय रोग विशेषज्ञ डा एमपी सामल स्पाइस सर्जरी एवं हड्डी रोग विशेषज्ञ डा संकेत ठाकरे डॉ आकाश गर्ग जनरल फिजिशियन दो मंदार गोकाटे जॉइंट रिहैबिलिटेशन डॉ विक्रम साहू द्वारा आम जनता को अपनी सेवा देंगे स्वर्गीय श्रीमती द्रोपती भाई अग्रवाल एवं स्वर्गीय केदारनाथ अग्रवाल पहरिया वाले की स्मृति में प्रायोजक संजय केदार अग्रवाल अजय अग्रवाल प्रेसिडेंट ?म बी पावर अनूपपुर के द्वारा अग्रसेन जयंती कार्यक्रम के अंतर्गत करवाया जा रहा है ,जो कैंप एकदम फ्री रखा गया है ,जिसमें व्यक्ति उक्त कैंप का फायदा उठाते हुए अपनी बीमारी का निशुल्क इलाज करवा सकता है ,उक्त कैंप का आयोजन सभी वर्ग एवं सभी समाज के लिए किया गया है ,उक्त सुविधा सभी के लिए फ्री रहेगी अग्रसेन सेवा समिति के अध्यक्ष संजय जय भोपालपुरिया ने आम जनों से अपील किया है कि उक्त कैंप का फायदा उठाएं एवं स्वास्थ्य शिविर का लाभ ले।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन में आम नागरिकों की समस्याएँ सुनी

जांजगीर-चांपा / कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से जिले के नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों एवं मांगों को गंभीरता से सुना एवं अधिकारियों को जनदर्शन में प्राप्त आवेदन को प्राथमिकता के साथ नियमानुसार निराकरण करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में आज कुल 38 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन में आज तहसील नवागढ़ के ग्राम उदयभाठा निवासी श्रीमती लीला कुमारी राशनकार्ड बनवाने, जांजगीर तहसील के ग्राम खोखरा निवासी श्रीमती प्रमिला यादव महतारी वंदन योजना का लाभ दिलाने, ग्राम सरखों निवासी श्रीमती रजनी सूर्यवंशी खाता विभाजन कराने, पामगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम मेहंदी के श्रीमती समुंद बाई प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किये। जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवेदन निर्देशित करते हुए समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जनदर्शन में राशन कार्ड बनवाने, आधार कार्ड में अपडेशन सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभ दिलाने सहित अन्य विषयों से संबंधित कुल 38 आवेदन प्राप्त हुए।

पितर महोत्सव पुरखा के सुरता कार्यक्रम में सम्मिलित हुए महामंडलेश्वर पितर श्राद्ध के अवसर पर 15 दिवसीय मानस गायन कार्यक्रम आयोजित

जांजगीर चांपा /

सनातन धर्मावलंबी न केवल भारतवर्ष में अपितु संपूर्ण विश्व में जहां भी निवासरत हैं पितर श्राद्ध का पर्व बड़े ही श्रद्धा भक्ति पूर्वक मना रहे हैं। इसी तारतम्य में अभनपुर के समीप स्थित ग्राम पीपरौद में पितर महोत्सव ÷पुरखा के सुरता÷ आयोजित किया गया है। पन्द्रह दिवसीय कार्यक्रम में दूर-दराज क्षेत्र से मानस मंडली पहुंचकर अपनी प्रस्तुति दे रहे हैं। इससे पूरे गांव में भक्तिमय वातावरण निर्मित हुआ है। महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। लोगों ने बहुत ही आत्मियता पूर्वक उनका स्वागत किया। इस अवसर पर राजेश्री महन्त जी महाराज ने उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए कहा कि - पीपरौद एक धार्मिक गांव है जब भी यहां आना होता है कुछ न कुछ धार्मिक कार्यक्रम देखने को मिलता है। पितर पक्ष में हम उन महानुभावों को याद कर रहे हैं जिन्होंने हमें पढ़ाया, लिखाया, सत् मार्ग पर चलना सिखाया। जिनके कारण आज हमारे यह स्थिति है। भले ही वे लोग हमारे बीच नहीं है किंतु उनका दिखाया हुआ मार्ग और उनका आशीर्वाद हमारे जीवन को हर पल आलोकित करते हैं। उन्होंने कर्म की प्रधानता के संदर्भ में कहा कि -मनुष्य को कर्म अवश्य रूप से करना चाहिए लेकिन ज्यादा से ज्यादा सत्कर्म करना चाहिए इसका परिणाम सदा अच्छा ही होता है। मुख्य अभ्यागत को शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया गया। लोगों को दीपक जी ने भी संबोधित किया और कहा कि -यह हमारे पितरों को स्मरण करने का पर्व है। उन्होंने 3 से 5 अक्टूबर के बीच ग्राम मरौद में आयोजित होने वाले मातृ देवो भवः कार्यक्रम के लिए राजेश्री महन्त जी को निर्मंत्रित किया। इस अवसर पर विशेष रूप से आर आर साहू, के आर कंवर, आचार्य तारक जी, राजेश्वर गिरी गोस्वामी, मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव, हर्ष दुबे सहित अनेक गणमान्य नागरिक गण उपस्थित थे। आभार सरपंच प्रतिनिधि भीखम साहू ने व्यक्त किया।

चैंबर ऑफकॉमर्स के पदाधिकारियों ने जीएसटी असिस्टेंट कमिश्नर श्रीमती सुषमा लाल से मुलाकात की

जांजगीर चांपा - जीएसटी अधिकारी असिस्टेंट कमिश्नर श्रीमती सुषमा लाल से जांजगीर में पदस्थापना एवं अन्य विषयों पर चर्चाओं के लिए चेंबर ऑफ कॉमर्स ने स्वागत भेंट की ।

जीएसटी असिस्टेंट कमिश्नर श्रीमती सुषमा लाल की जांजगीर में कुछ दिनों पहले पदस्थापना हुई है। अतः चेंबर आफकॉमर्स जांजगीर के पदाधिकारियों ने नई पदस्थापना पर अधिकारी से स्वागत भेंट की एवं वर्तमान में आ रही जीएसटी संबंधित परेशानियों , जीएसटी में हुए टैक्स परिवर्तन एवं आगामी कार्यशाला को लेकर भी मुलाकात की।

जांजगीर चैंबर के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने बताया कि विगत दिनों केंद्र सरकार ने जीएसटी में बहुत बड़ा परिवर्तन किया है जिससे चैंबर ऑफ़ कॉमर्स केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार को बहुत धन्यवाद देता है। इससे व्यापारियों में संतोष है , मंहगाई में काफी हद तक लगाम लगेगा एवं बाजार खुलेगा ।आने वाले त्यौहारी सीजन में व्यापार बढ़ने की प्रबल संभावना रहेगी। रोजमर्रा की वस्तुएं सस्ती होने से व्यापारिक टर्नओवर बढ़ने की हमेशा संभावना रहती हैद्य उमेश गोयल भरत टहलानी दीपक पालीवाल धनराज अग्रवाल धीरज जैन ने आगे बताया कि आने वाले समय में जीएसटी संबंधित विषयों को लेकर जांजगीर में एक बड़ी कार्यशाला का आयोजन किया जाना है। जिसके संबंध में श्रीमती सुषमा लाल से चर्चाएं हुई। वर्तमान में हो रही विसंगतियों को लेकर भी व्यापारियों के साथ सहयोग के लिए चेंबर ने निवेदन किया। असिस्टेंट कमिश्नर ने भी व्यापारियों के साथ सामंजस्य को लेकर सहयोग करने की बात कही। जीएसटी में आ रही त्रुटियों एवं सुधार के लिए भी श्रीमती सुषमा लाल ,अन्य अधिकारियों एवं चेंबर के पदाधिकारियों के बीच चर्चाएं हुई।

इस मौके पर चैंबर से संरक्षक उमेश गोयल अध्यक्ष मनोज अग्रवाल कोषाध्यक्ष भरत टहलानी उपाध्यक्ष धीरज जैन धनराज अग्रवाल प्रदेश मंत्री दीपक पालीवाल उपस्थित रहे।

चेस ग्रैंड मास्टर प्रवीण थिप्से ने जांजगीर-चांपा की प्रतिभाओं को किया पुरस्कृत, शतरंज खिलाड़ियों ने रायपुर में चमकाया जिले का नाम

जांजगीर चांपा।

रायपुर में आयोजित सीजी लिटिल मास्टर चेस टूनामेंट 2025 में जांजगीर-चांपा के शतरंज खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया। इस कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण चेस ग्रैंड मास्टर श्री प्रवीण थिप्से रहे, जिन्होंने विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। इस दौरान राज्य शतरंज संघ महासचिव श्री विनोद राठी, वूमेन फ़ीडे मास्टर श्रीमती किरण अग्रवाल सहित छत्तीसगढ़ शतरंज संघ पदाधिकारी मौजूद रहे।

उन्होंने जांजगीर चांपा के बच्चों से चर्चा करते हुए कहा कि शतरंज में सतत अभ्यास और एकाग्रता ही सफलता की कुंजी है। आपको नियमित रूप से खेलते रहना है और प्रशिक्षकों, माता पिता के मार्गदर्शन में अभ्यास करते हुए अपनी प्रतिभा को ऊँचाइयों तक ले जाना है। प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि जी एम श्री थिप्से ने अंडर-7 बालिका वर्ग में आमंदी साय को तृतीय स्थान, अंडर-9 बालक वर्ग में वेदांश यादव को दूसरा स्थान हासिल करने पर ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया। वहीं अंडर-7 बालक वर्ग हधान मावलंकर ने शानदार खेल दिखाते हुए 5 राउंड में 4 अंक अर्जित किए और 31 खिलाड़ियों में से 6वां स्थान प्राप्त किया। चैतन्य साय और आयुष मल्होत्रा ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सबका ध्यान आकर्षित किया। सभी खिलाड़ियों को विशेष उपहार से पुरस्कृत किया गया। यह उपलब्धि जांजगीर-चांपा के लिए गौरव की बात रही। इस शानदार प्रदर्शन पर जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष श्री देवेंद्र राठौर, उपाध्यक्ष एवं कोच श्री देवेंद्र यादव, कोषाध्यक्ष श्री लोकेश यादव, सचिव श्री गिरधर गोपाल कश्यप, सदस्य श्रीमती जयंती यादव एवं श्री संतराम यादव ने सभी प्रतिभाशाली बच्चों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह उपलब्धि न केवल जांजगीर-चांपा के लिए गर्व का क्षण है, बल्कि यह साबित करती है कि छोटे शहरों की प्रतिभाएँ भी राज्य एवं राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता में चमकने की क्षमता रखती हैं।

सौ लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब के साथ दो आरोपी को जांजगीर पुलिस ने पकड़ा

जांजगीर चापा / सौ लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब के साथ दो आरोपीयों को जांजगीर पुलिस ने पकड़ा है । ज्ञात हो कि विजय कुमार पाण्डेय पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा के निर्देशन में जिले में अवैध शराब बिक्री पर अंकुश लाने के लिए जिला पुलिस जांजगीर द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है । इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में तथा सीएसपी जांजगीर श्रीमति कविता ठाकुर के नेतृत्व में थाना जांजगीर पुलिस द्वारा अवैध शराब बिक्री करने वालों के विरुद्ध रेड कार्यवाही किया गया । इसमें मुखबिर सूचना पर आरोपी कृष्णा गोड उम्र 23 साल निवासी बनारी सबरीया डेरा के कब्जे कुल 60 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब , आरोपी गोपाल गोड उम्र 35 साल निवासी बनारी सबरीया डेरा थाना जांजगीर के कब्जे 40 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब जुमला कीमती 20,00 रुपये बरामद किया जाकर आरोपियों के विरुद्ध धारा 34 (2) आबकारी एक्ट का घटित करना पाए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर आज दिनांक 15 सितंबर 25 को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। उपरोक्त कार्यवाही मे निरीक्षक मणिकांत पाण्डेय थाना प्रभारी जांजगीर, एएसआई नरेंद्र डीक्सेना का सराहनीय योगदान रहा।

खास खबर

विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल ने हिंदुत्व हुंकार सभा 21 को

कोरबा। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल जिला कोरबा द्वारा आगामी 21 सितंबर, रविवार को एक विशेष हिंदुत्व हुंकार सभा, रैली एवं ज्ञापन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता के रूप में हिंदू शेर टी राजा का कोरबा आगमन होगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आज समाज पर गहराई से असर डाल रहे धर्मांतरण, लव जिहाद और डेमोग्राफी चेंज जैसी सामजिक चुनौतियों के प्रति जनमानस में जागरूकता लाना और सरकार से आवश्यक कदम उठाने की मांग करना है। इसका पूर्वाभ्यास एवं प्रभावी आयोजन सुनिश्चित करने हेतु जिला कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं सभी हितग्राहियों से विशेष आग्रह किया गया है कि वे दिनांक 13 सितंबर शनिवार शाम 05रू00 बजे निर्धारित स्थान राम-जानकी मंदिर, राजपूत भवन कोरबा में आयोजित योजना बैठक में अवश्य पहुँचें। बैठक में सभी आवश्यक तैयारियों पर विचार-विमर्श कर कार्यक्रम को सफल एवं जनसामान्य के लिए प्रभावशाली बनाने के लिए सुझाव एवं मार्गदर्शन साझा किए जाएंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं, संगठनों एवं सभी नागरिकों की सहभागिता को अहम बताया गया है। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल का यह आयोजन समाज की एकता, सांस्कृतिक पहचान तथा धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सरमा-तनेरा मार्ग पर पहुंचा लोनर, वन अमला ने वापस भेजा जंगल

कोरबा। वनमंडल कटघोरा के केंदई रेंज में बड़ी संख्या में हाथी विचरण कर रहे हैं। वहीं एक लोनर हाथी पसान रेंज में सक्रिय है। यह लोनर हाथी कल देर शाम पसान रेंज के जल्के सर्किल में सरमा और तनेरा मार्ग पर पहुंच गया। जिससे ग्रामीणों को आने-जाने में परेशानी हुई। वन विभाग को सूचना दिए जाने पर उसके अधिकारी व कर्मचारी तत्काल मौके पर पहुंचे और मार्ग पर पहुंचे लोनर हाथी को ग्रामीणों की मदद से खदेड़ा। वन विभाग द्वारा खदेड़े जाने पर लोनर ने जंगल का रूख किया और वहां जाकर छिप गया। रात 11 बजे वे फिर जंगल से निकला और पसान बस्ती में घुसने की कोशिश किया। लेकिन समय पर वन विभाग को जानकारी मिल जाने पर उसे फिर खदेड़ दिया गया। इस बीच 27 हाथियों का दल अभी भी केंदई रेंज के कोरबी सर्किल के उड़नबहरा जंगल में जमे हुए हैं। हाथियों के इस दल ने बीती रात उत्पात मचाते हुए पांच किसानों की फसल को तहस-नहस कर दिया, जिससे उन्हें नुकसान उठाना पड़ा। रेंज के ही गयामाड़ा जंगल में 12 हाथी घूम रहे हैं। हाथियों का यह दल बीती रात खेतों में पहुंचा और वहां लगे धान की फसल को चट करने के बाद वापस लौट आया और विश्राम करने लगा। वर्तमान में हाथियों का लोकेशन यहीं पर बना हुआ है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव को सौंपा गया रिवर फ्रंट निर्माण का ज्ञापन

कोरबा (संवाददाता)।

कोरबा जिले की जीवनदायिनी हसदेव नदी के संरक्षण, सौंदर्यीकरण और प्रदूषण नियंत्रण को लेकर नमामि हसदेव सेवा समिति ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। समिति के प्रतिनिधिमंडल ने छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव से बिलासपुर स्थित उनके निजी कार्यालय में भेंट कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कोरबा में रिवर फ्रंट निर्माण की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई।

समिति ने कहा कि हसदेव नदी केवल कोरबा की जीवनरेखा ही नहीं, बल्कि इसका धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय महत्व भी अत्यधिक है। वर्तमान में यह नदी क्षेत्र अव्यवस्था, असुरक्षा और प्रदूषण की चपेट में है, जिसे एक सुव्यवस्थित और सुंदर रिवर फ्रंट के रूप में विकसित किया जाना अत्यावश्यक है। समिति ने इस रिवर फ्रंट परियोजना को कोरबा की भावी पीढ़ियों के लिए एक स्थायी सांस्कृतिक और पर्यावरणीय धरोहर बताया।

प्रतिनिधिमंडल में शामिल रहे ये सदस्य

श्रेष्ठ सिंह ठाकुर (संरक्षक), चन्द्र किशोर श्रीवास्तव (अध्यक्ष), रणधीर पाण्डेय (कार्यकारी अध्यक्ष), नरेश कुमार अरोरा, रवीन्द्र पाराशर (उपाध्यक्ष), यशवंत कुमार मिश्रा (सचिव), सुखविंदर सिंह धंजल, विजय कुमार राठौर (संयुक्त सचिव), दीपक अग्रवाल (कोषाध्यक्ष), मोहनधर दीवान (आचार्य सह प्रमुख), प्रकाश सिंह चाहल (पर्यावरण प्रमुख), अखिलेश भारती (हनुमान चालीसा पाठ प्रमुख), मनीष मैत्री (सह प्रमुख)।

0चलाया जा रहा हस्ताक्षर अभियान

समिति द्वारा हसदेव नदी को संरक्षित और स्वच्छ बनाने के लिए श्रावण पूर्णिमा (9 अगस्त 2025) से लेकर आश्विन पूर्णिमा (7 अक्टूबर 2025) तक हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। समापन अवसर पर 7 अक्टूबर को संकल्प सभा का आयोजन होगा, जिसमें साध्वी गिरिजेश नंदनी जी (स्वामी भजनानंद आश्रम, केन्दई) और संत रामरूपदास महात्यागी जी (मदकू द्वीप) का सानिध्य प्राप्त होगा। अभियान का अगला चरण 5 नवम्बर से 4 दिसंबर 2025 तक चलेगा।

केन्द्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्या ने ली आदिवासी समाज प्रमुखों की बैठक

खुलकर सुनी समस्याएं, दिया समाधान का भरोसा

बिलासपुर (संवाददाता)।

केन्द्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्या ने आज यहां जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आदिवासी समाज प्रमुखों की बैठक ली। लगभग दो घण्टे तक चली बैठक में उन्होंने इत्मीनान से उनकी एक-एक समस्याएं सुनी और इस संबंध में ज्ञापन भी लिए। श्री आर्या ने कहा कि बैठक में आज आदिवासी समाजों की ओर से महत्वपूर्ण सुझाव मिले हैं। ये सभी कानूनी एवं विभिन्न संवैधानिक मुद्दों से जुड़े हुए हैं। इन सभी को राष्ट्रपति और राज्यपाल के ध्यान में लाकर उनका सकारात्मक समाधान किया जायेगा। आयोग के वरिष्ठ अधिकारी एवं विशेषज्ञ भी इस दौरान उपस्थित थे।

बैठक में विभिन्न आदिवासी समाज प्रमुखों ने मुख्य रूप से पेसा एवं मेसा कानून का पालन कराने, भूराजस्व संहिता की धारा 170 (ख) का उल्लंघन, आदिवासियों को प्राप्त 32 प्रतिशत आरक्षण का पालन नहीं किये जाने, सरकारी नौकरी की पदोन्नति में आरक्षण सुविधा बहाल करने, वन अधिकार पट्टा, फर्जी जाति प्रमाण पत्र से नौकरी हासिल करने वालों पर तत्काल कार्रवाई, आदिवासियों की भूमि के गैर आदिवासियों में गैर कानूनी तरीके से स्थानांतरण, आदिवासी महिलाओं से शादी कर उनके नाम पर संपति एवं चुनाव लड़ना, आदिवासियों के लिए पृथक धर्मकोड, बेकलाग पदों पर भर्ती की कार्रवाई करने, फर्जी जाति प्रमाण पत्र पर हाई कोर्ट में केवियेट लगाने, आदिवासियों के स्वरोजगार के लिए बजट बढ़ाने, बस्तर एवं सरगुजा संभाग में स्थानीय भर्ती नियम फिर से लागू करने, हसदेव जंगल की कटाई रोकने, धर्मांतरण रोकने एवं धर्मांतरित लोगों से एसटी का आरक्षण प्रदान नहीं करने, छात्रावास के लिए शिष्यवृत्ति की दर बढ़ाने, आदिवासियों की छात्रवृत्ति के लिए आय की सीमा खत्म करने, कोटा विधानसभा क्षेत्र को आदिवासियों के लिए आरक्षित करने सहित अन्य कई मांग एवं कई समस्याएं रखी। बैठक में प्रमुख रूप से लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष संत कुमार नेताम, सर्व आदिवासी समाज रायपुर प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती वंदना उइके, कंवर समाज रायपुर प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती सविता साय, गोण्डवाना गोंड़ महासभा रायपुर रमेशचंद्र श्याम, युवा प्रभाग सर्व आदिवासी समाज सुभाष परते, कोल आदिवासी समाज प्रदेश अध्यक्ष युगुल किशोर शाण्डिल्य, उरांव समाज जिला अध्यक्ष श्रीमती रंगिया प्रधान, खैरवार समाज जिला अध्यक्ष श्यामलाल खैरवार, सर्व आदिवासी समाज जिला अध्यक्ष देवसिंह पोर्ते, कंवर समाज बिलासपुर अध्यक्ष एसआर साय, कर्मचारी संघ जिला अध्यक्ष रामचंद्र ध्रुव, प्रगतिशील आदिवासी कल्याण समिति जिला अध्यक्ष मुकुन्द नेताम, बैगा समाज अध्यक्ष बुधराम सिंह बैगा, युवा प्रभाग सर्व आदिवासी समाज शिव नारायण चेचाम, आदिवासी मोर्चा के जिला अध्यक्ष निरंजन पैकरा, जिला पंचायत सदस्य प्रभु जगत एवं पिन्टु मरकाम सहित नगर निगम के आदिवासी समाज से जुड़े पार्षद एवं बड़ी संख्या में समाज के प्रतिनिधि शामिल हुए। अनुसूचित जनजाति विकास विभाग के सहायक आयुक्त पीसी लहरे, सहायक संचालक आकांक्षा पटेल सहित प्रशासनिक अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

जनजाति आयोग के अध्यक्ष का कलेक्टर-एसपी ने किया स्वागत

बिलासपुर संवाददाता। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्या तीन दिवसीय प्रवास पर बिलासपुर पहुंचे। श्री आर्या का सर्किट हाउस में कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं एसएसपी रजनेश सिंह ने गुलदस्ता भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने श्री आर्या को अनुसूचित जनजातियों के सर्वांगीण विकास के लिए केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। एसएसपी कानून व्यवस्था की स्थिति से अवगत कराया। श्री आर्या आज मंथन सभाकक्ष में आदिवासी समाज प्रमुखों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। वे 15 सितम्बर को सवेरे 10 बजे सीपत रोड स्थित पोस्ट मैट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास में आयोजित सिकल सेल एनीमिया जांच शिविर एवं युवा संवाद कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। श्री आर्या दोपहर 12.15 बजे रेलवे जोन से संबंधित अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों से मुलाकात करेंगे। दोपहर 1.30 बजे रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेंगे। वे शाम 4 बजे मंथन सभाकक्ष में जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर योजनाओं की समीक्षा करेंगे। इसके बाद शाम साढ़े 5 बजे प्रेस वार्ता को संबोधित करेंगे।

नाबालिग का शादी का झांसा देकर भगा ले जाने वाला युवक पकड़ाया

बिलासपुर, संवाददाता। जिले की पुलिस सहायता केन्द्र मोपका थाना सरकंडा पुलिस ने नाबालिग बालिका को बहला फुसलाकर शादी का झांसा देकर भगा ले जाने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामले में आरोपी के खिलाफ धारा -137(2),64 बीएनएस 4,8 पोक्सो एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है।

मिली जानकारी के अनुसार एक प्रार्थिया ने दिनांक 16.004.2025 को रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी नाबालिग लड़की उम्र करीब 16 वर्ष 05 माह की घर से बिना बताये कहीं चली गई है, कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर अपहरण कर ले गया है। प्रार्थिया के उक्त रिपोर्ट पर अपराध सदर कायम कर विवेचना में लिया गया, प्रकरण की विवेचना दौरान अपहृता की एवं अज्ञात आरोपी का पता तलाश किया जा रहा था। वर्तमान में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह (भा पु से) के निर्देशानुसार जिले में गुम हुये नाबालिग बालक एवं बालिकाओं को अधिक से अधिक दस्तयाब करने निर्देशित किया गया है, जिसके परिपालन में अपहृत नाबालिग बालक/बालिकाओं की लगातार पतासाजी के दौरान जानकारी प्राप्त हुई कि अपहृता संदेही के साथ रायपुर में है उक्त सूचना के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया जिनके निर्देश के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) बिलासपुर राजेन्द्र जायसवाल एवं नगर पुलिस अधीक्षक सरकंडा सिद्धार्थ बघेल ,थाना प्रभारी सरकंडा निरीक्षक निलेश पाण्डेय के मार्गदर्शन में टीम गठित कर रायपुर रवाना किया गया जिनके द्वारा अपहृत बालिका को आरोपी संतोष साहू के कब्जे से बरामद किया जिससे पूछताछ करने पर अपहृत बालिका द्वारा बताई कि आरोपी बहला फुसलाकर शादी करने का झांसा देकर अपने साथ ले जाने तथा जबरन कई बार उसके साथ बलात्कार करना बताई आरोपी संतोष साहू को दिनांक 03.009.2025 को विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर

राज्य मानसिक चिकित्सालय में मरीजों की सुविधाएं बढ़ाने लिए गए कई निर्णय

कमिश्नर की अध्यक्षता में जीवनदीप समिति की बैठक संपन्न

बिलासपुर । संभागायुक्त सुनील जैन की अध्यक्षता में राज्य मानसिक चिकित्सालय सेंदरी में जीवनदीप समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मरीजों के लिए अस्पताल में सुविधाएं बढ़ाने के लिए सर्वसम्मति से कई निर्णय लिए गये। इसके साथ ही बुनियादी काम संबंधित भी निर्णय लिए गये। बैठक में कलेक्टर संजय अग्रवाल और समिति के सदस्य मौजूद थे। समिति की बैठक में अस्पताल के जरूरी कामों में खर्च किए गए साढ़े 9 लाख रूपए के विभिन्न कामों की कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में मैकेनाइज्ड लॉण्ड्री मशीन के वार्षिक संधारण, अतिरिक्त मैकेनाइज्ड लॉण्ड्री मशीन और पैथोलेब के लिए आवश्यक जांच मशीन क्रय करने, अस्पताल के रंगरोगन, सीपेज एवं विभिन्न मरम्मत कार्य, एक्स-रे कक्ष में लेडशीट एवं टीएलडी बैच लगवाने, अस्पताल के वार्डो के लिए हॉस्पिटल बेड एवं मैट्रेस क्रय करने के संबंध में निर्णय लिया गया। संभागायुक्त ने अस्पताल में मरम्मत कार्यों के लिए जल्द प्राक्कलन बनाने के निर्देश पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को दिए। बैठक में अधीक्षक जेपी आर्या ने अस्पताल का प्रतिवेदन एवं पूर्व की बैठक में लिए गए निर्णयों का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। अस्पताल में प्रतिदिन 110 ओपीडी एवं 04 आईपीडी होती है। विगत 8 माह में 12 हजार से अधिक मानसिक रोगियों का ओपीडी में इलाज हुआ। इसके अलावा 800 से ज्यादा मरीजों को अस्पताल में भर्ती कर इलाज किया गया। संभागायुक्त एवं कलेक्टर ने अस्पताल का निरीक्षण कर जरूरी निर्देश भी दिए।

जनजाति आयोग अध्यक्ष ने एक पेड़ मां के नाम किया वृक्षारोपण

बिलासपुर (संवाददाता)। बिलासपुर प्रवास पर पहुंचे राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्या ने आज न्यू सर्किट हाउस परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया। उन्होंने परिसर में अन्य जन प्रतिनिधियों के साथ खम्हार, करंज आदि पौधे लगाये। श्री आर्या ने इन पौधों के संरक्षण के रख-रखाव की जिम्मेदारी नगर निगम को सौंपी। इस अवसर पर महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, बीजेपी जिलाध्यक्ष दीपक सिंह एवं मोहित जायसवाल, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के उप निदेशक आर के दुबे, एडीएम शिवकुमार बनर्जी, सहायक आयुक्त पीसी लहरे सहित नगर निगम, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों ने भी वृक्षारोपण किया।

रायगढ़ पुलिस ने 48 घंटे में सुलझाया दुसेकेला हत्याकांड, पड़ोसी निकला कातिल

रायगढ़, संवाददाता।

रायगढ़ जिले के खरसिया क्षेत्र के दुसेकेला गांव में हुए सनसनीखेज चारहरे हत्याकांड का पुलिस ने मात्र 48 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस जांच में सामने आया कि हत्या के पीछे पड़ोसी लकेश्वर पटेल की रंजिश और चरित्र शंका कारण बनी। आरोपी ने एक नाबालिग के साथ मिलकर बुधराम सिदार और उसके पूरे परिवार की निर्मम हत्या की।

ऐसे हुआ खुलासा

11 सितंबर को ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी कि बुधराम उरांव (42) के घर से खून के धब्बे दिख रहे हैं। जब पुलिस ने जांच की तो बुधराम, उसकी पत्नी सहोद्रा (37) और दोनों बच्चों अरविंद (12) व शिवांगी (5) के शव बाड़ी में खाद के गड्ढे से बरामद हुए। धारदार हथियार से हत्या की पुष्टि पर पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज किया।

रेंज आईजी डॉ. संजीव शुक्ला और एसपी दिव्यांग कुमार पटेल ने मौके का निरीक्षण किया और अलग-अलग थानों की संयुक्त टीमें बनाकर जांच शुरू की। साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने पड़ोसी लकेश्वर पटैल पर शक किया। पूछताछ में उसने जुर्म स्वीकार कर लिया।

हत्या की वजह

आरोपी लकेश्वर पटैल राजमिस्त्री है और मृतक बुधराम भी राजमिस्त्री का काम करता था। दोनों के बीच कई विवाद रहे। लकेश्वर, बुधराम की जमीन खरीदना चाहता था, लेकिन उसे बार-बार मना कर दिया गया। छह माह पहले लकेश्वर के बेटे की चोरी की घटना को भी बुधराम ने पकड़ लिया था। इसके अलावा वह बुधराम के चरित्र पर भी शक करता था। इन सब कारणों से उसने पूरे परिवार की हत्या की साजिश रची।

हत्या की वारदात

9 सितंबर की रात नशे की हालत में मिले बुधराम को देखकर लकेश्वर और नाबालिग साथी उसके घर घुसे और सो रहे परिवार पर हमला कर दिया। धारदार हथियार से चारों की हत्या करने के बाद शवों को घर में दफनाने की कोशिश की गई, लेकिन जमीन सख्त होने के कारण नाकाम रहे। बाद में शवों को घसीटकर बाड़ी में खाद के गड्ढे में डाल दिया।

पुलिस की कार्रवाई

पुलिस ने आरोपियों से घटनास्थल पर री-क्रिएशन कराया और उनके मेमोरेंडम पर टंगिया, रॉड, गैंती, फावड़ा और खून से सने कपड़े जब्त किए। मुख्य आरोपी लकेश्वर पटैल को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया, जबकि नाबालिग को किशोर न्याय अधिनियम के तहत कार्रवाई में लिया गया है।

गिरफ्तार आरोपी

लकेश्वर पटैल पिता बंशी लाल पटैल, उम्र 32 वर्ष, निवासी राजीव नगर, दुसेकेला (पूर्व में भी हत्या के अपराध में सजा काट चुका। विधि के साथ संघर्षरत बालक (नाबालिग)।

मुख्यमंत्री का नरहरपुर आगमन पर किया गया आत्मीय स्वागत

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय तथा झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अर्जुन मुंडा का आज कांकेर जिले के नरहरपुर पहुंचने पर हेलीपैड में जनप्रतिनिधियों, आदिवासी समाज के पदाधिकारियो और प्रशासनिक अधिकारियों ने आत्मीय स्वागत किया।इस अवसर पर वन मंत्री श्री केदार कश्यप, सांसद कांकेर श्री भोजराज नाग, विधायक कांकेर श्री आशाराम नेताम, पुलिस उप महानिरीक्षक श्री अमित तुकाराम कांबले, कलेक्टर श्री निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने पुष्पगुच्छ भेंटकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। आदिवासी समाज के पदाधिकारियों ने पारंपरिक रीति रिवाज के अनुसार मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को पारंपरिक पगड़ी पहनाकर आत्मीय स्वागत किया।

मुठभेड़ में 8-8 लाख रूपये के ईनामी दो नक्सली ढेर

जगदलपुर। बस्तर संभाग के बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में 8-8 लाख रुपए के ईनामी दो नक्सलियों को मार गिराया है। मुठभेड़ स्थल से असलहे भी बरामद किए गए हैं। बीजापुर के पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेंद्र कुमार यादव ने बताया कि जिले के दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र में नक्सली कैडर की गतिविधियों की विश्वसनीय सूचना के आधार पर डीआरजी बीजापुर की टीम द्वारा सर्च ऑपरेशन चलाया गया। अभियान के दौरान दिनांक 12 सितंबर की सुबह पुलिस बल और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ होती रही। मुठभेड़ के पश्चात मुठभेड़ स्थल की तलाशी में एक नग 303 रायफल, 12 बोर बंदूक, विस्फोटक सामग्री एवं प्रतिबंधित नक्सल संगठन की अन्य सामान भी बरामद की गई।हिड़मा पोड़ियाम उम्र 34 वर्ष निवासी बेडसेट इंद्रावती क्षेत्र, पद पीपीसीएम कंपनी नम्बर-

2, प्लाटून- का सदस्य और मुन्ना मड़कम उम्र 25 वर्ष निवासी कटेकल्याण जिला दंतेवाड़ा, पद कंपनी नम्बर-2, प्लाटून-1 सदस्य के रूप में हुई है। इन दोनों पर 8-8 लाख रुपए का ईनाम घोषित था। मुठभेड़ स्थल से एक .303 रायफल, एक मैग्जीन, 4 जिंदा राऊंड, एक नग 12 बोर बंदूक, 04 जिंदा राऊंड, बैटरी, कार्डेक्स वायर, स्केनर सेट, माओवादी साहित्य एवं माओवादी सामग्री बरामद हुई है।

जशपुर में कृषि क्रांति लाने मुख्यमंत्री ने किसान कॉल सेंटर का किया शुभारम्भ

रायपुर। जिले के किसानों के हित में चलाई जाने वाले कृषि क्रांति अभियान अंतर्गत आज किसान कॉल सेंटर एग्रीबिड और बाजार व्यवस्था को सरल बनाने के उद्देश्य से क्यू आर कोड आधारित जी कॉम इंडिया का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा अपने बगिया स्थित निज निवास कार्यालय से किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री अर्जुन मुंडा, सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष श्रीमती गोमती साय, विधायक जशपुर श्रीमती रायमुनी भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जिले में कृषि के साथ उद्यानिकी फसलों के लिए भी उपयुक्त वातावरण उपलब्ध है। वर्तमान में जिले में आम, लीची, नाशपाती के साथ चाय, टाऊ, कटहल जैसी फसलों का भी बहुतायत में उत्पादन हो रहा है। ऐसे में किसानों के पास बाजारों के विकल्प के ना होने से उन्हें औने पौने दामों में अपनी फसलों को बिचौलियों को बेचना पड़ता था, अब क्यू आर कोड के माध्यम से सीधे उपार्जकों तक पहुंच एवं बेचने की व्यवस्था होने से जिले के किसान देश के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति को अपनी फसल को बेच सकेंगे, जिससे किसानों को अनावश्यक बिचौलियों, कोचियों जैसे लोगों से छुटकारा मिलेगा और उन्हें अपनी फसल का उचित मूल्य प्राप्त होगा। कॉल सेंटर से किसानों को विशेषज्ञों द्वारा किसी भी समस्या पर सहायता प्राप्त होगी। इन दोनों पहलों से कृषि के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन आएगा और किसानों को उचित मूल्य मिलने से किसानों की आय में वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि एनडीडीबी के साथ मिलकर दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए राज्य के 06 जिलों में पायलेट प्रोजेक्ट के तहत उत्तम किस्म के दुधारू पशुओं के वितरण के साथ ग्रामीणों को पशुपालन का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष श्रीमती गोमती साय ने कहा कि किसानों के लिए प्रारम्भ किया गया कॉल सेंटर जिले में कृषि के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा, किसानों को इसके दूरगामी परिणाम प्राप्त होंगे। विधायक जशपुर श्रीमती रायमुनी भगत ने कहा कि जिले में नाशपाती, लीची के साथ कटहल की फसल भी बहुतायत में होती है। जिसके प्रसंस्करण और विकास के लिए जशपुर में विगत दिनों कटहल मेला भी आयोजित किया गया था। ऐसे में इन नवीन पहलों से किसान उत्पादन के साथ उचित मूल्य पर उत्पादों का निर्यात भी कर सकेंगे।किसानों को शैक्षणिक भ्रमण हेतु मुख्यमंत्री ने दिखाई हरी झंडीकिसानों को नवाचारी कृषि और कृषि के विकास हेतु प्रोत्साहित करने के लिए कृषि क्रांति एवं आत्मा योजनान्तर्गत 35 कृषकों के दल को रायपुर एवं दुर्ग के शैक्षणिक भ्रमण हेतु मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। इसमें कुनकुरी के 15 एवं कांसाबेल के 20 किसान शामिल हैं।

नई उद्योग नीति में बस्तर संभाग पर विशेष तौर पर फोकस

नई उद्योग नीति में बस्तर संभाग पर विशेष तौर पर फोकस

नरहरपुर में आयोजित ठाकुर जोहारनी कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्रीः क्षेत्रवासियों को दी विभिन्न सौगात

रायपुर। नरहरपुर में आयोजित ठाकुर जोहारनी कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्रीः क्षेत्रवासियों को दी विभिन्न सौगातनरहरपुर में आयोजित ठाकुर जोहारनी कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्रीः क्षेत्रवासियों को दी विभिन्न सौगातनरहरपुर में आयोजित ठाकुर जोहारनी कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्रीः क्षेत्रवासियों को दी विभिन्न सौगातमुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज कांकेर जिले के नरहरपुर में आदिवासी समाज द्वारा आयोजित ठाकुर जोहारनी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उनके साथ झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अर्जुन मुंडा भी उपस्थित थे।मुख्यमंत्री श्री साय ने ठाकुर जोहारनी कार्यक्रम में आदिवासी समाज के ईष्ट आराध्य देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नई उद्योग नीति में आदिवासी विकास को प्राथमिकता देते हुए बस्तर सहित सरगुजा को विशेष तौर

पर फोकस किया गया है, ताकि यहां के निवासियों को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़कर उन्हें अधिकतम लाभ दिलाया जा सके। ब्लॉक मुख्यालय नरहरपुर के उन्मुक्त खेल मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय ने आदिवासी समाज के ईष्ट देवी-देवताओं का जयघोष करते हुए उपस्थित लोगों को ठाकुर जोहारनी और नवाखाई की बधाई दी। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की यह अनूठी परंपरा आगे भी जीवित रहनी चाहिए और समाज की एकजुटता हमेशा बनी रहनी चाहिए।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के युवा आगे बढ़ें, सुशिक्षित बनें, इसके लिए पूरे प्रदेश में नई शिक्षा नीति लागू की गई है। उन्होंने बताया कि आईआईटी, आईआईएम, ट्रिपल आईआईटी जैसी राष्ट्रीय स्तर की उच्च शिक्षण संस्थाएं प्रदेश में संचालित हैं, जिससे गुणवत्तापूर्ण और रोजगारपरक शिक्षा उपलब्ध हो सके। इसी तरह प्रयास और एकलव्य जैसे श्रेष्ठ संस्थानों के माध्यम से भी लगातार सुधार के प्रयास हो रहे हैं। दिल्ली में ट्राइबल यूथ हॉस्टल संचालित है और प्रदेशभर में नालंदा परिसर स्थापित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुरक्षा बलों को माओवाद के विरुद्ध अभियान में लगातार बड़ी सफलताएँ मिल रही हैं। उन्होंने 31 मार्च 2026 तक माओवाद के खात्मे का संकल्प दोहराया। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मंशानुरूप, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के सहयोग से पशुपालन, मुर्गीपालन जैसी रोजगारमूलक गतिविधियों से लोगों को जोड़ने का कार्य प्रदेश सरकार कर रही है। उन्होंने कहा कि तेंदूपत्ता संग्राहकों के पारिश्रमिक में वृद्धि, चरणपादुका वितरण, रामलला दर्शन योजना सहित ग्राम पंचायतों में पारदर्शिता और सुगमता लाने के लिए अटल डिजिटल सेवा केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार की पीएम जनमन योजना और धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से आदिवासियों के सतत् और समग्र विकास को अमलीजामा पहनाया जा रहा है।विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अर्जुन मुंडा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमारा उत्सव का कार्यक्रम है। जल, जंगल, जमीन और अपनी परंपराओं, लोकनृत्य, गीत, मांदर और मृदंग के साथ जीने वाले आदिवासियों की अपनी विशिष्ट पहचान है। उन्होंने कहा कि अपनी जड़ों को मजबूत करते हुए स्वास्थ्य, शिक्षा और अधिकारों के प्रति सजग रहना नितांत आवश्यक है।

हिंदी दिवस पर आज राजधानी रायपुर में संगोष्ठी का आयोजन

रायपुर । छत्तीसगढ़ साहित्य एवं संस्कृति संस्थान, के तत्वावधान में राजधानी रायपुर में जिला प्रशासन रायपुर के सहयोग से हिंदी उत्सव का आयोजन हिंदी दिवस के अवसर पर 14 सितम्बर को टाऊन हॉल में सवेरे ग्यारह बजे से किया जाएगा। कार्यक्रम में हिंदी की बदलती दुनिया पर संगोष्ठी होगी, तीन पुस्तकों का विमोचन होगा और हिंदी समाचार वाचकों का सम्मान किया जाएगा। आयोजन के मुख्य वक्ता दिल्ली के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ .गोपाल कमल होंगे होंगे।

खंड शिक्षा अधिकारी भारती देवांगन ने मांदलापाल संकुल के विभिन्न शालाओं का किया निरीक्षण

बस्तर। खंड शिक्षा अधिकारी भारती देवांगन ने मांदलापाल संकुल अंतर्गत आने वाले विभिन्न शालाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ सीएसी देवेंद्र सोनी भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्राथमिक शाला मांदलापाल और नयामुंडापारा का अवलोकन किया और बच्चों से सीधे सवाल-जवाब कर उनकी सीखने की क्षमता और अध्ययन स्तर की जानकारी ली। उन्होंने शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

वनमंत्री केदार कश्यप ने नारायणपुर विधानसभा में 02.64 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

सुशासन में तेज हुई बस्तर में विकास की गति

नारायणपुर विधानसभा अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में विभिन्न कार्यों का वन मंत्री केदार कश्यप ने किया भूमिपूजन

नारायणपुर । वनमंत्री श्री केदार कश्यप ने आज नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्राम पंचायतों में 1 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को समर्पित किया। यह भूमिपूजन कार्यक्रम ग्रामीण अधोसंरचना को सुदृढ़ करने और बुनियादी सुविधाओं को विस्तार देने की दिशा में बड़ा कदम है। इन कार्यों के अंतर्गत ग्राम पंचायत चेराकुर में कोलेबेड़ा हरिराम खेत के पास ?6.10 लाख की लागत से निर्माण, बाजार शेड निर्माण, 05 नग सीसी कार्य एवं गार्बेज डिस्पोजल ?23.51 लाख एवं प्रा.शा. कोटवारपारा में 200 मीटर अहाता निर्माण हेतु ?9.00 लाख से किया जाएगा। इसी क्रम में ग्राम पंचायत गोंदियापाल में बासपानी कुरलूमारीपारा पाथरी मार्ग पर 02 मीटर पुलिया निर्माण ?5.00 लाख की लागत से, ग्राम पंचायत गुमगा में नयापारा मार्ग पर बालकुराम खेत के पास 02 मीटर पुलिया निर्माण कार्य ?5.00 लाख से किया जाए। वहीं ग्राम पंचायत मांदलापाल में पत्थरगुड़ाङ्कबिनचिया रोड पर 03 मीटर पुलिया निर्माण ?7.00 लाख से, मुख्य चौक पर सोलर हाई मास्ट संयंत्र ?5.87 लाख की लागत से और मांदलापाल हाईस्कूल के पास साप्ताहिक बाजार में शेड निर्माण, 05 नग सीसी कार्य एवं गार्बेज डिस्पोजल प्रावधान ?23.51 लाख से किया जाएगा। इसी तरह प्रा.शा. नयामुण्डापारा मांदलापाल में भवन निर्माण ?20.30 से किया जाएगा। इसी क्रम गोलावण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत गोलावण्ड में 04 लाख की लागत से बाजार स्थल में रंगमंच निर्माण, ग्राम पंचायत बेतबेड़ा में प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक शाला बेतबेड़ा में 16 लाख की लागत से अहाता निर्माण, ग्राम पंचायत खचगांव में 10.99 लाख से कोलियारीपारा से 1.5 मीटर स्पॉन कर 2 नग पुलिया निर्माण, ग्राम खडगांव हगरू कश्यप घर के पास 02 मीटर स्पॉन आर.सी.सी. कल्वर्ट निर्माण 06.99 लाख रूपए, ग्राम खचगांव प्रेमसिंह बघेल के खेत के पास 1.5 मीटर स्पॉन आर.सी.सी कल्वर्ट निर्माण के लिए 5.49 लाख रूपए का भूमिपूजन किया गया।इसी क्रम में सोनाबाल में ग्राम पंचायत खण्डाम अंतर्गत 03 लाख की लागत से अतरिकोट पारा में रंगमंच का निर्माण, मयूरडोंगर में 04.50 लाख की लागत से गोविंद घर के पास पुलिया निर्माण, झारा में 4.50 की लागत से गुड्डीराम घर डोंगरीपाराा में पुलिया निर्माण, पोलंग में 06 लाख की लागत से बनसिंह घर के पास पुलिया निर्माण एवं बोरगांव में 06 लाख की लागत से बोरपारा सुबेश्वर घर के पास पुलिया निर्माण किया जाएगा।

वहीं ग्राम पंचायत तोतर अंतर्गत 12.46 लाख से छिनारी नाला में 03 मी. स्पॉन आरसीसी कल्वर्ट, 16 लाख की लागत से प्राथमिक शाला चिखलापारा, ग्राम पंचायत नरिहा अंतर्गत 35.5 लाख से सोनाधर घर से अटारपारा तक 500 मी. सीसी सड़क एवं 02 मी. स्पॉन 03 नग आरसीसी स्लोब कल्वर्ट, ग्राम पंचायत चमई अंतर्गत चमई नाला में 06 मी. 02 स्पॉन स्लेब कलवर्ट एवं हंगलवा में 03 लाख की लागत से रंगमंच निर्माण का भूमिपूजन किया गया।

भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान वनमंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करना है। पुलिया निर्माण, बाजार शेड, स्कूल भवन, सोलर संयंत्र जैसे कार्य स्थानीय जरूरतों को पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार गांव-गांव विकास, जन-जन विश्वास के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। इन योजनाओं के माध्यम से दूरस्थ अंचलों में भी विकास की रोशनी पहुँच रही है।

मुख्यमंत्री साय ने नरहरपुर में किया 75.31 करोड़ रुपए के 11 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज कांकेर जिले के नरहरपुर विकासखंड मुख्यालय में आयोजित गोंडवाना समाज के ÷ठाकुर जोहारनी÷ कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने नरहरपुर क्षेत्र में 75 करोड़ 31 लाख 72 हजार रुपए की लागत वाले 11 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इन निर्माण कार्यों में अमोड़ा-नरहरपुर मार्ग (लंबाई 16 कि.मी.) के चौड़ीकरण कार्य पर 40 करोड़ 22 लाख 71 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसी भैंसमुण्डी से झलियामारी मार्ग (लंबाई 4.67 कि.मी.) पर 4 करोड़ 90 लाख 16 हजार रुपये का कार्य शामिल है। साथ ही नरहरपुर हाई स्कूल बिरनपुर, नावडबरी और रावस में तीनों स्कूल भवन निर्माण कार्यों पर 75.23-75.23 लाख रुपये की लागत से निर्माण कार्यों का भूमिपूजन कार्य शामिल है। इसी तरह नरहरपुर टूरी व्यपवर्तन योजना के तहत नहर का जीर्णोद्धार एवं लाइनिंग कार्य हेतु (8 करोड़ 94 लाख 51 हजार रू.), पैरी नदी पर धनेसरा एनीकट निर्माण (4 करोड़ 82 लाख 54 हजार रू.), सिहारी नाला तालाब एवं नहर कार्य का जीर्णोद्धार व शूटफॉल निर्माण (3 करोड़ 84 लाख 12 हजार रू.), बागोड़ एनीकट दायीं तट पर बाढ़ नियंत्रण कार्य (4 करोड़ 31 लाख 90 हजार रू.) तथा कोचवाही नाला एनीकट निर्माण (4 करोड़ 37 लाख 33 हजार) के लिए राशि स्वीकृत की गई है। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री श्री साय ने 1 करोड़ 62 लाख 76 हजार रुपये के लागत वाले आदिवासी बालक आश्रम चरभट्टी भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने की सामुदायिक पर्यटन की नई पहल

रायपुर। जशपुर के पाँच ग्रामों में होम-स्टे की शुरुआत, स्थानीय संस्कृति और परंपराओं को मिलेगा वैश्विक मंच मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज जशपुर जिले में सामुदायिक पर्यटन की एक नई पहल की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने कैंप कार्यालय से जशपुर के पाँच ग्रामों- देओबोरा, केरे, दनगरी, छिछली और घोघरा में होम-स्टे योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अर्जुन मुंडा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार पर्यटन क्षेत्र को एक उद्योग के रूप में विकसित करने के लिए कृत संकल्पित है। होम-स्टे नीति न केवल पर्यटन को नई पहचान देगी, बल्कि स्थानीय युवाओं और समुदायों के लिए रोजगार और उद्यमशीलता के अवसर भी प्रदान करेगी। उन्होंने बताया कि आदिवासी संस्कृति, परंपराएँ, खान-पान और जीवन शैली को लेकर अन्य

प्रदेशों और देशों के लोगों में गहरी जिज्ञासा रहती है। होम-स्टे के माध्यम से पर्यटकों को सीधे गाँवों में रहकर स्थानीय संस्कृति, पूजन पद्धति और सादगी का अनुभव करने का अवसर मिलेगा, जो उनके लिए अविस्मरणीय साबित होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यह पहल जशपुर को न केवल पर्यटन के नक्शे पर एक नई पहचान दिलाएगी, बल्कि स्थानीय संस्कृति और समुदाय को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षण प्राप्त पर्यटन मित्रों को प्रमाण पत्र वितरित किए। यह प्रशिक्षण सामुदायिक पर्यटन और होम-स्टे विकास पर आधारित था, जिससे संबंधित ग्रामों को इको-टूरिज्म गंतव्य के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी।कार्यक्रम में विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने कहा कि जशपुर का मकरभंजा जलप्रपात छत्तीसगढ़ का सबसे ऊँचें जलप्रपात में से एक है, और इसके साथ जिले के अनेक झरने व दर्शनीय स्थल जशपुर को पर्यटन की दृष्टि से अनोखा बनाते हैं। विधायक श्रीमती गोमती साय ने कहा कि जशपुर प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है और यहाँ आने वाले पर्यटक जीवनभर इस जगह की यादों को संजोए रखते हैं। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय, कलेक्टर श्री रोहित व्यास, पुलिस अधीक्षक श्री शशिमोहन सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार, डिप्टी कलेक्टर श्री समीर बड़ा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे।

न्यूड पार्टी पोस्टर पर छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज का कड़ा विरोध

रायपुर । राजधानी रायपुर में हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुए तथाकथित न्यूड पार्टी के विवादित पोस्टर ने पूरे शहर में आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है। इस पोस्टर में युवक-युवतियों को बिना वस्त्रों के पार्टी में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया, जिसे देखकर समाज के सभी वर्गों ने कड़ी आपत्ति दर्ज की है।

छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज ने इस प्रकरण को धर्म, संस्कृति एवं सामाजिक मूल्यों पर सीधा हमला बताया है। समाज का कहना है कि रायपुर जैसी संस्कारवान और सभ्यता-प्रधान नगरी में इस प्रकार की अश्लीलता किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। यह कृत्य न केवल हमारी धार्मिक-सांस्कृतिक परंपराओं को ठेस पहुँचाता है, बल्कि महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है।छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि इस आयोजन के पीछे शामिल लोगों की तुरंत पहचान कर उन्हें कठोर धाराओं में गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वालों और आयोजन की मंशा रखने वालों पर धर्म-संस्कृति पर प्रहार और अश्लीलता फैलाने के अपराध में सख्त कार्रवाई होना जरूरी है।सिख समाज ने स्पष्ट किया है कि रायपुर की जनता नग्नता और अश्लीलता को किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं करेगी और भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस-प्रशासन को ठोस कदम उठाने चाहिए।इंस्टाग्राम में सर्च करने पर अपरिचित क्लब के नाम से अकाउंट मिला है जिसमें इस तरह की पार्टी के आयोजन से संबंधित अनेक पोस्ट और वीडियो है पोस्ट में दिए गए मोबाइल नंबर पर कॉल करने पर नो रिप्लाई हो रहा है। शासन प्रशासन को गंभीरता से ऐसे इंस्टाग्राम, ङ्ग, फेसबुक जैसे अकाउंट पर नजर रखना चाहिए और तुरंत कार्यवाही करना चाहिए।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। **संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।**
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily **कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल** (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)